वर्ष-11 अंक-69 पृष्ठ-8 मूल्यः 3 रुपये

प्रयागराज, मंगलवार 20 मई 2025

TM

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

प्रयागराज से प्रकाशित एवं सम्पूर्ण भारत वर्ष में प्रसारित

Download From

Adhunik Samachar

आधुनिक समाचार नेटवर्क

11 YEARS ANNIVERSARY

संक्षिप्त समाचार

गुलजार हाउस में भीषण आग की वजह क्या जिसने लील ली एक ही परिवार के 17 लोगों की जान

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। हैदराबाद में ऐतिहासिक चारमीनार के पास हुई घटना पर कांग्रेस सांसद अनिल कुमार यादव ने कहा आग लगने की घटना में एक परिवार के 17 सदस्य फंस गए थे। अग्निशमन विभाग तुरंत यहां पहुंच गया। मुख्यमंत्री परिवार के सदस्यों के संपर्क में हैं।तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद में ऐतिहासिक चारमीनार के पास गुलजार हाउस में रविवार को एक इमारत में लगी भीषण आग लग गई। हादसे में आठ बच्चों समेत 17 लोगों की मौत हो गई। हालांकि, आग के कारणों को लेकर शॉट सर्किट की बात सामने आ रही है। हालांकि, मामले में जांच के आदेश दे दिए गए हैं। एक निजी अस्पताल के वरिष्ठ अधिकारी ने समाचार एजेंसी पीटीआई को बताया कि 17 लोगों को मृत अवस्था में लाया गया था।इससे पहले मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने घटना पर दुख व्यक्त किया। उन्होंने वरिष्ठ अधिकारियों को इमारत में फंसे लोगों को बचाने के लिए सभी आवश्यक उपाय करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि बचाव अभियान में कोई लापरवाही नहीं बरती जानी चाहिए।

लोकतंत्र के तीनों स्तंभ समान', प्रोटोकॉल का पालन नहीं किए जाने पर सीजेआई गवई ने जताई नाराजगी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। भारतीय संविधान का अनुच्छेद 142 सर्वोच्च न्यायालय को उसके समक्ष लंबित किसी भी मामले या मामले में पूर्ण न्याय करने के लिए आवश्यक समझे जाने वाले आदेश पारित करने की शक्ति प्रदान

करता है। यह न्यायालय को व्यक्तियों की उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए आदेश देने की भी अनुमति देता है। सुप्रीम कोर्ट का मुख्य न्यायाधीश बनने के बाद पहली बार गृह राज्य महाराष्ट्र पहुंचे सीजेआई बीआर गवई ने प्रोटोकॉल का पालन न करने पर नाराजगी जताई। सीजेआई की अगवानी के लिए राज्य के मुख्य सचिव, पुलिस महानिदेशक या मुंबई पुलिस आयुक्त में से कोई भी मौजूद नहीं था। 14 मई को सीजेआई के रूप में शपथ लेने वाले जस्टिस बीआर गवई महाराष्ट्र और गोवा बार काउंसिल की ओर से आयोजित सम्मान समारोह के लिए मुंबई में थे। महाराष्ट्र से आने वाले मुख्य न्यायाधीश गवई, केजी बालाकृष्णन के बाद भारतीय न्यायपालिका का नेतृत्व करने वाले दूसरे दलित हैं।दरअसल, 52वें सीजेआई के रूप में शपथ लेने के बाद जस्टिस गवई रविवार को बार काउंसिल ऑफ महाराष्ट्र एवं गोवा की ओर से आयोजित अपने सम्मान समारोह में पहुंचे थे। सीजेआई ने कहा कि वह ऐसे छोटे मुद्दों पर ध्यान नहीं देना चाहते। लेकिन जब किसी अंग या संस्था का प्रमुख पहली बार राज्य में आ रहा हो, खासकर जब वह भी उसी राज्य का हो, तो उनके साथ किया गया व्यवहार सही था या नहीं, यह उन्हें स्वयं सोचना चाहिए। सीजेआई गवई ने कार्यक्रम में कहा कि संविधान सर्वोच्च है। इसके सभी स्तंभों को मिलकर काम करना चाहिए। उन्होंने कहा, मुझे खुशी है कि देश न केवल मजबूत हुआ है, बल्कि सामाजिक और आर्थिक मोर्चों पर भी विकसित हुआ है। उन्होंने कहा, न तो न्यायपालिका, न कार्यपालिका और न ही विधायिका सर्वोच्च है, बल्कि भारत का संविधान सर्वोपरि है और तीनों अंगों को उसके अनुसार काम करना होगा।

ईडी के ज्यादातर अफसर भ्रष्ट, केंद्र के राजनीतिक विरोधियों को बनाती है निशाना'

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। केरल में विपक्ष के नेता वीडी सतीसन ने ईडी पर आरोप लगाते हुए कहा कि उसके ज्यादातर अधिकारी भ्रष्ट हैं और एजेंसी का इस्तेमाल केंद्र के राजनीतिक विरोधियों को निशाना बनाने के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है। यह बयान उन्होंने तब दिया, जब पत्रकारों ने उनसे पूछा कि हाल ही में केरल की भ्रष्टाचार-निरोधक एजेंसी (वीएसीबी) ने ईडी के एक वरिष्ठ अधिकारी के खिलाफ मामला क्यों दर्ज किया है। सतीसन ने आरोप लगाया कि ईडी देशभर में कई लोगों को नोटिस भेजती है और फिर बिचौलियों के जरिए उनसे करोड़ों रुपये लेकर मामला निपटा देती है। उन्होंने कहा, मैं यह नहीं कह रहा कि ईडी के सारे अफसर भ्रष्ट हैं, लेकिन एक बहुत बड़ा तबका भ्रष्ट है। एजेंसी मनी लॉन्ड्रिंग रोकने के लिए बनी थी, लेकिन अब तक इसके एक फीसदी मामले भी हल नहीं हुए हैं। अब यह सिर्फ राजनीतिक मामलों में काम कर रही है और केंद्र सरकार के राजनीतिक विरोधियों को परेशान करने के लिए इस्तेमाल की जा रही है। सतीसन ने यह भी कहा कि ईडी अधिकारी के खिलाफ हालिया मामला इसका ताजा उदाहरण है। उन्होंने दावा किया कि केरल में सत्तारूढ़ माकपा और भाजपा के बीच मिलीभगत है ।

शिवराज सिंह चौहान ने बताई एक देश एक चुनाव की जरूरत, कहा- बार-बार मतदान विकसित भारत के लिए बाधा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली।एक देश-एक चुनाव को लेकर आयोजित कार्यक्रम में वर्चुअल संबोधन के दौरान केंद्रीय मंत्री ने कहा कि संविधान में संशोधन किया जाना चाहिए। ताकि लोकसभा और विधानसभा चुनाव पांच साल में एक उन्होंने कहा कि हमें राष्ट्रीय हित के बारे में सोचना होगा। जिम्मेदार नागरिक के रूप में हमें सोचना चाहिए और संकल्प लेना चाहिए कि अब समय आ गया है कि एक साथ चुनाव हों। इससे देश को बहुत लाभ होगा।केंद्रीय

बार एक साथ कराए जाएं। बार-बार चुनाव होना विकसित भारत के निर्माण में बाधा बन गया है केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने एक देश एक चुनाव की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि बार-बार चुनाव विकसित भारत के लिए बाधा बन रहा है। एक देश-एक चुनाव को लेकर आयोजित कार्यक्रम में वर्चुअल संबोधन के दौरान केंद्रीय मंत्री ने कहा कि संविधान में संशोधन किया जाना चाहिए। ताकि लोकसभा और विधानसभा चुनाव पांच साल में एक बार एक साथ कराए जाएं। बार-बार चुनाव होना विकसित भारत के निर्माण में बाधा बन गया है। कहीं न कहीं इसे रोकना होगा और इस पर लगाम लगानी होगी। मंत्री ने ऑपरेशन सिंदूर के बाद सशस्त्र बलों की बहादुरी की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि मैं भारतीय सशस्त्र बलों के सटीक निशाने के प्रति सम्मान व्यक्त करना चाहता हूं। मैं हमारे नेतृत्व की सटीक रणनीति के प्रति सम्मान व्यक्त करना चाहता हूं। भारत एक शांतिपूर्ण देश है। लेकिन हमारे प्रधानमंत्री ने कहा था कि हम किसी को उकसाएंगे नहीं। लेकिन अगर कोई हमें उकसाता है, तो हम उसे छोड़ेंगे नहीं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि पाकिस्तान तीन दिन के भीतर ही घुटनों पर आ गया और युद्धविराम की अपील करने लगा। मगर एक बात स्पष्ट है कि आज भी हम आतंकवादियों को नहीं बख्शेंगे।

डोभाल ने ईरान के राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के सचिव से की बात सुरक्षा-आर्थिक सहयोग पर हुई चर्चा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। अजीत डोभाल ने इस्लामी गणराज्य ईरान की

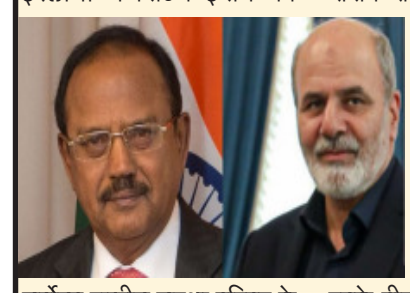

सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के सचिव और सर्वोच्च नेता के प्रतिनिधि डॉ. अली अकबर अहमदियन के साथ टेलीफोन पर बातचीत की। भारत में ईरान के दूतावास ने इस बारे में जानकारी दी। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल ने ईरान की सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद (एसएनएससी) के सचिव डॉ. अली अकबर अहमदियन के साथ टेलीफोन पर बातचीत की। इस दौरान दोनों ने द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने खासकर व्यापार, सुरक्षा और आर्थिक सहयोग पर चर्चा की। पोस्ट में कहा गया कि डॉ. अहमदियन ने इस बात पर जोर दिया कि ईरान और भारत दो प्राचीन सभ्यताएं हैं तथा इनके बीच गहरे संबंध हैं। दोनों देशों के बीव राजनीतिक और आर्थिक सहयोग की अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने रणनीतिक परियोजनाओं को तेजी से क्रियान्वित करने की आवश्यकता पर बल दिया और दोहराया कि द्विपक्षीय सहयोग क्षेत्रीय शांति और स्थिरता के व्यापक हितों को पूरा करता है।

सांसदों को प्रतिनिधिमंडल में शामिल न करने पर कांग्रेस हमलावर, केंद्र पर लगाया सस्ती राजनीति का आरोप

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। जयराम रमेश ने कहा कि 16 मई को केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने केंद्र सरकार की ओर से कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी से संपर्क किया था। उन्होंने सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल के लिए पार्टी से चार सांसदों के नाम और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी से संपर्क किया था। उन्होंने सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल के लिए पार्टी से चार सांसदों के नाम मांगे थे। राहुल गांधी ने उसी दिन दोपहर से पहले वरिष्ठ नेता आनंद शर्मा, गौरव गोगोई, नासिर हुसैन और राजा बरार के नाम केंद्र सरकार को सौंप दिए थे। कांग्रेस

मांगे थे। हमने सरकार को नाम दे दिए थे। लेकिन सरकार ने केवल एक नाम चुना। पाकिस्तान को बेनकाब करने विदेश जाने वाले सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल में कांग्रेस सांसदों को शामिल न करने पर विपक्षी दल ने केंद्र पर आरोप लगाए हैं। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने केंद्र सरकार पर सस्ती राजनीति करने और राजनीतिकरण करने का आरोप लगाया। जयराम रमेश ने आरोप लगाया कि सरकार के अनुरोध पर औपचारिक रूप से चार नाम प्रस्तुत करने के बावजूद अधिकांश सांसदों को केंद्र ने नजरअंदाज कर दिया। इससे संसदीय परंपराएं कमजोर हुईं। साथ ही विपक्ष और सत्तारूढ़ दल के बीच विश्वास कमजोर हुआ।जयराम रमेश ने कहा कि 16 मई को केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने केंद्र सरकार की ओर से कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे महासचिव ने कहा कि सरकार ने सूची में से केवल एक नाम आनंद शर्मा का चुना और अन्य नामों को नजरअंदाज कर दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि हमने नाम दे दिए, फिर भी केवल एक को ही शामिल किया गया। इससे पता चलता है कि सरकार की मंशा पहले से ही शरारती थी और यह खेल इसलिए खेला जा रहा है ताकि हमसे पूछने की औपचारिकता समाप्त हो जाए। जयराम रमेश ने दावा किया कि पूरी कवायद बातचीत होने का दावा करने की औपचारिकता मात्र प्रतीत होती है, लेकिन वास्तव में यह महज डैमेज कंट्रोल था। मेरा मानना है कि यह राजनीतिकरण था, जो नहीं किया जाना चाहिए था। विपक्ष और सत्तारूढ़ दल के बीच विश्वास होना चाहिए। संसदीय प्रणाली और परंपरा है कि जब आप किसी पार्टी के सांसदों को चुनना चाहते हैं।

सोलापुर में टेक्सटाइल फैक्ट्री में लगी भीषण आग, मालिक समेत 8 लोगों की मौत

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। महाराष्ट्र के सोलापुर जिले में रविवार तड़के एक फैक्ट्री में लगी भीषण आग में आठ लोगों की मौत हो गई, जिनमें तीन महिलाएं और एक डेढ़ साल का बच्चा शामिल हैं। यह आग एक कपड़ा फैक्ट्री में लगभग 13 घंटे तक धधकती रही। अधिकारियों के अनुसार, आग पर काबू पाने के प्रयास में तीन अग्निशमन कर्मी भी घायल हो गए। यह हादसा सोलापुर एमआईडीसी स्थित सेंट्रल टेक्सटाइल मिल्स में सुबह करीब 3:45 बजे हुआ।महाराष्ट्र के सोलापुर जिले में रविवार तड़के एक कपड़ा फैक्ट्री में भयानक आग लगने से आठ लोगों की मौत हो गई, जिनमें तीन महिलाएं और एक डेढ़ साल का मासूम बच्चा भी शामिल है। यह दर्दनाक घटना सुबह लगभग 3:45 बजे हुई। घटना सोलापुर एमआईडीसी के अक्कलकोट रोड स्थित सेंट्रल टेक्सटाइल मिल्स में सुबह करीब 3:45 बजे शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। प्राथमिक जानकारी के अनुसार, फैक्ट्री में शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगी। मृतकों में फैक्ट्री के मालिक हाजी उस्मान हसनभाई मंसूरी, उनके परिवार के तीन सदस्य, जिनमें उनका डेढ़ वर्षीय पोता भी शामिल है। अग्निकांड में मरने वालों में चार श्रमिक शामिल हैं। दमकल विभाग ने आग बुझाने के लिए 100 से अधिक पानी के टैंकर, अग्निशमन

वाहन और विभिन्न टीमों के कई कर्मियों को लगाया। आग पर शाम 5 बजे काबू पा लिया गया, लेकिन शीतलन प्रक्रिया के दौरान फिर से भड़क उठी और रात 8 बजे तक बुझाई गई। मृतकों में फैक्ट्री मालिक हाजी उस्मान हसनभाई मंसुरी (80), उनके पोते अनस हनीफ मंसुरी (25), पोते की पत्नी शिफा अनस मंसुरी (20), और डेढ़ वर्षीय परपोता यूसुफ मंसुरी शामिल हैं। अग्निशमन कर्मियों ने जब फैक्ट्री परिसर की एक इमारत की दीवार तोड़ी, तब यह परिवार एक बेडरूम में मृत मिला। अधिकारियों ने बताया कि यूसुफ अपनी मां की गोद में मिला। अन्य चार मृतक या तो फैक्ट्री में कार्यरत थे या उनके परिजन थे। उनकी पहचान मेहताब सय्यद बगवान (45), उनकी पत्नी अशाबानू (38), बेटा सलमान (20), और बेटी हिना (26) के रूप में हुई है।अधिकारियों के अनुसार, जब आग लगी तब सभी गहरी नींद में थे। तीन लोगों की मौत जलने से हुई, जबकि पांच की दम घुटने से जान चली गई। तीन शव मिलने के बाद बाकी पांच लोगों को तलाशने और बाहर निकालने में करीब 13 घंटे का समय लग गया। बताया गया कि ये पांच लोग आग से बचने के लिए एक कमरे में भागे थे, लेकिन अंदर ही फंस गए। महाराष्ट्र के पालघर जिले में रविवार तड़के एक केमिकल फैक्टरी में डाइमिथाइल सल्फेट लीक होने के बाद 13 कर्मचारियों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। जिला आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ के प्रमुख विवेकानंद कदम ने बताया कि घटना बोइसर तारापुर एमआईडीसी की फैक्टरी में सुबह करीब 3 बजे हुई।

प्रतिनिधिमंडल के साथ चर्चा करेंगे विक्रम मिस्री, विदेश जाने वाले सांसदों के संग ब्रीफिंग

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। पहलगाम आतंकी हमले और 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद भारत सरकार आतंकवाद के खिलाफ अपने 'जीरो टॉलरेंस' के संदेश को वैश्विक पटल पर मजबूती से रखने के लिए इस महीने के अंत में सात सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल को प्रमुख साझेदार देशों में भेजेगी।केंद्र सरकार पाकिस्तान समर्थित आतंकवाद पर भारत का रुख स्पष्ट करने के लिए विश्व के कई देशों में सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल भेज रही है। विदेश जा रहे सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल में शामिल सांसदों संग विदेश सचिव विक्रम मिस्री चर्चा करेंगे। दो चरणों में होने वाली प्रक्रिया में मिस्री सांसदों को ऑपरेशन सिंदूर और पाकिस्तान के खिलाफ अहम तथ्यों से अवगत कराएंगे।इस ब्रीफिंग में विदेश सचिव भारत के आधिकारिक रुख की भी उन्हें जानकारी देंगे जिससे प्रतिनिधिमंडल विदेशों में देश का पक्ष पूरी मजबूती के साथ रख सके। संसद भवन में पहला चरण 20 मई जबकि दूसरा चरण 23 मई को होगा। इन सात प्रतिनिधिमंडलों में अलग-अलग राजनीतिक दलों के सांसद, पूर्व मंत्री और पूर्व राजदूत

शामिल हैं।वहीं दूसरी ओर विदेश सचिव विक्रम मिस्री सोमवार और मंगलवार को कांग्रेस सांसद शशि थरूर की अध्यक्षता वाली समिति को ठभारत और पाकिस्तान से संबंधित वर्तमान विदेश नीति घटनाक्रमठ के बारे में जानकारी देंगे।भाजपा सांसद तेजस्वी सूर्या ने रविवार को कहा कि वह पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद के खिलाफ भारत का रुख पेश करने के लिए अमेरिका और लातिन अमेरिका का दौरा करने वाले सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा होंगे। सूर्या कांग्रेस सांसद शशि थरूर और अन्य लोगों के साथ इस यात्रा में शामिल होंगे, जो 23 मई से 6 जून तक होगी। यह पहल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार की प्रमुख कूटनीतिक पहल का हिस्सा है, जिसके तहत 32 देशों और यूरोपीय संघ की यात्रा के लिए सात बहुपक्षीय प्रतिनिधिमंडल गठित किए गए हैं। प्रत्येक टीम में सेवानिवृत्त राजनयिक शामिल हैं जो सांसदों की सहायता करेंगे। इन प्रतिनिधिमंडलों का उद्देश्य आतंकवाद के खिलाफ भारत के दृढ़ और एकीकृत रुख को प्रस्तुत करना और सीमापार हमलों का जवाब देने के अपने अधिकार पर जोर देना है।सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल के पहले ग्रुप में सात सांसद भाजपा सांसद बैजयंत पांडा के नेतृत्व में सऊदी अरब, कुवैत, बहरीन और अल्जीरिया जाएंगे।

आकाश आनंद बदल देंगे यूपी के सियासी समीकरण, अखिलेश को भी होगी ये चिंता

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। भतीजे आकाश आनंद को मायावती ने लोकसभा चुनावों के दौरान पार्टी से निकाल दिया था। पहले आकाश आनंद को राजनीतिक रूप से अपरिपक्व बताया गया। अब एक बार फिर उनकी पार्टी में वापसी होने के बाद बड़ी जिम्मेदारी दी गई है। मायावती ने अपने भतीजे आकाश आनंद को एक बार फिर बड़ी जिम्मेदारी सौंपी है। बहुजन समाज पार्टी के शीर्ष नेताओं के साथ रविवार को बैठक करने के बाद उन्हें पार्टी का चीफ नेशनल कोऑर्डिनेटर बना दिया गया। वे सीधे मायावती को रिपोर्ट करेंगे, जबकि तीन अन्य नेशनल कोऑर्डिनेटर आकाश आनंद को रिपोर्ट करेंगे। आकाश आनंद को मिली इस बड़ी जिम्मेदारी के बाद एक बार फिर वे अपने 'फायर ब्रांड' रूप में दिखाई दे सकते हैं जिसके बाद यूपी के वर्तमान समीकरणों

में बड़ा बदलाव आने की संभावना जताई जा रही है। भतीजे आकाश आनंद को मायावती ने लोकसभा चुनावों के दौरान पार्टी से निकाल दिया था। पहले आकाश आनंद को राजनीतिक रूप से अपरिपक्व बताया गया। बाद में कहा गया कि वे पार्टी के आंतरिक मामलों में अपने ससुर अशोक सिद्धार्थ के कहने पर गुटबाजी को बढ़ावा दे रहे थे। लेकिन आकाश आनंद के माफी मांगने के बाद उनका पार्टी में वापसी का रास्ता साफ हो गया। बसपा पिछले दिनों में लगातार कमजोर होती गई है। इसका सबसे बड़ा कारण मायावती का स्वास्थ्य कारणों से कम सक्रिय होना और पार्टी में नए नेतृत्व का अभाव है। आकाश के सक्रिय होने के बाद बसपा की यह बड़ी कमी पूरी हो जाएगी। मायावती को भी आकाश के रूप में एक ऐसा सहयोगी मिलेगा जिस पर वे आंख बंद कर भरोसा कर सकती हैं।

पीएसएलवी मिशन क्यों हुआ फेल जांच के लिए बनी समिति

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली।भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष वी नारायणन ने कहा कि पीएसएलवी मिशन की विफलता की जांच के लिए एक समिति गठित की गई है। समिति ने नाकामी के कारणों को जानने के लिए कई दौर की चर्चा की है। इसरो को रविवार सुबह-सुबह ही करारा झटका तब लगा जब उसका रॉकेट पीएसएलवी-सी61 मिशन असफल हो गया। इस मिशन का उद्देश्य उन्नत पृथ्वी अवलोकन सैटेलाइट ईओएस-09 को सूर्य समकालिक ध्रुवीय कक्षा में स्थापित करना था, लेकिन तकनीकी गड़बड़ी के कारण सैटेलाइट अपनी तय कक्षा में नहीं पहुंच सका। यह मिशन क्यों फेल हुआ इसकी जांच में इसरो जुट गया है। इस बाबत एक समिति भी गठित की गई है। इसरो प्रमुख वी नारायणन ने इसकी जानकारी दी। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष वी नारायणन ने कहा कि पीएसएलवी मिशन की विफलता की जांच के लिए एक समिति गठित की गई है। समिति ने नाकामी के कारणों को जानने के लिए कई दौर की चर्चा की है।नारायणन ने कहा कि श्रीहरिकोटा से हमारा 101वां मिशन था। रॉकेट चार चरणों वाला यान है। पहले चरण में 134 टन का ठोस प्रणोदन सिस्टम है और इसमें छह स्ट्रैप-ऑन मोटर हैं, जिनमें से प्रत्येक में 12 टन प्रणोदक है। दूसरे चरण में 40 टन का तरल प्रणोदन सिस्टम है, तीसरे चरण में 8 टन का ठोस प्रणोदन सिस्टम है और चौथे चरण में भी तरल प्रणोदन का उपयोग किया जाता है। उपग्रह को कक्षा में स्थापित करने के लिए इन चार चरणों को एक साथ मिलकर काम करना चाहिए लेकिन ऐसा नहीं हो सका। उन्होंने कहा कि समस्या के मूल कारण की पहचान करने के लिए समिति बनाई गई है और हमने इस पर कई दौर की चर्चा की है। एक बार जब हम मूल कारण की पहचान कर लेंगे, तो हम इसके पीछे के कारण के बारे में बताएंगे। उन्होंने कहा कि यह दुखद है कि मिशन पूरा नहीं हो सका। साथ

ही उन्होंने कहा कि अंतरिक्ष एजेंसी अपने आगामी प्रक्षेपणों पर आगे बढ़ेगी। हमने इस साल हर महीने एक मिशन की योजना बनाई है।पीएसएलवी-सी61 रॉकेट को आंध्र प्रदेश के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र, श्रीहरिकोटा से लॉन्च किया गया था। यह पीएसएलवी रॉकेट का 63वां और एक्सएल कॉन्फिगरेशन में 27वां मिशन था। शुरूआती दो चरणों में सब कुछ सामान्य था। लेकिन जब तीसरे चरण ने काम करना शुरू किया, तभी एक तकनीकी समस्या सामने आई।जानकारी के मुताबिक, ईओएस-09 से वास्तविक समय में मिलने वाली सटीक जानकारी कृषि, वानिकी निगरानी, आपदा प्रबंधन, शहरी नियोजन और राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे अनुप्रयोगों के लिए महत्वपूर्ण साबित होती। इस मिशन का उद्देश्य देश भर में विस्तारित तात्कालिक समय पर होने वाली घटनाओं की जानकारी जुटाने की आवश्यकता को पूरा करना था। इसरो के मुताबिक, करीब 1,696.24 किलोग्राम वजन वाला पृथ्वी अवलोकन उपग्रह-09 वर्ष 2022 में प्रक्षेपित ईओएस-04 जैसा ही है। ईओएस-09 की मिशन अवधि पांच वर्ष थी। वहीं उपग्रह को उसकी प्रभावी मिशन अवधि के बाद कक्षा से बाहर निकालने के लिए पर्याप्त मात्रा में ईंधन आरक्षित किया गया था, ताकि इसे दो वर्षों के भीतर कक्षा में नीचे उतारा जा सके, जिससे मलबा-मुक्त मिशन सुनिश्चित रहे।इसरो के पीएसएलवी रॉकेट ने अब तक 60 से ज्यादा सफल उड़ानें भरी हैं और कई देशों के सैटेलाइट अंतरिक्ष में पहुंचाए हैं। यह रॉकेट इसरो का एक मजबूत स्तंभ रहा है। वहीं इसकी इस असफलता को लेकर जानकारों का मानना है कि, एक-दो असफलताओं से पीएसएलवी रॉकेट की साख पर बट्टा नहीं लगेगा।

डाक पंजीयन नं.AD-326/2024-2026 -website:www.aadhuniksamachar.com- E-mail:-adhuniksamachar2024@gmail.com आधुनिक समाचार

संस्कृति विभाग द्वारा ढोलक वादन कार्यशाला का हुआ शुभारंभ

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

प्रयागराज। संस्कृति विभाग उत्तर प्रदेश के तत्वाधान में लोक कला के पुनर्जागरण हेतु उत्तर प्रदेश लोक एवं जनजाति संस्कृति संस्थान के द्वारा प्रयागराज नैनी स्थित एस एस कान्वेंट इंटर कॉलेज में ढोलक वादन की सात दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ सोमवार को हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उत्तर प्रदेश लोक एवं जनजाति संस्थान के निदेशक श्री अतुल द्विवेदी ने दीप प्रज्वलन कर कार्यशाला का शुभारंभ किया उन्होंने कहा कि संस्कृति विभाग उत्तर प्रदेश का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण अंचल में विलुप्त हो रही लोक कलाओं के पुनर्जागरण सहित नवीन प्रतिभाओं को हमारी परंपरा और हमारी संस्कृति से परिचित कराना है जिस क्रम में उत्तर प्रदेश सरकार माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के निर्देशन में लगातार विभिन्न जनपदों में शैक्षणिक संस्थाओं के माध्यम से कार्यशाला आयोजित की रही है। उन्होंने कार्यशाला का संयोजन कर रही श्वेता श्रीवास्तव की प्रशंसा करते हुए कहा कि ऐसी क्षेत्रीय प्रतिभाओं और लोकल हीरोज को सामने आकर मास्टर ट्रेनर के रूप में क्षेत्रीय बोली भाषा ,कलाओं और लोक विधाओं का पुनर्जागरण का बीड़ा उठाना होगा और उनके हर संकल्प को पूरा करने में संस्कृति विभाग उत्तर प्रदेश सदैव अग्रणी भूमिका निभाते हुए सहयोगी रहेगा ।विद्यालय के प्रबंधक श्री अरुण कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि एसएस कान्वेंट इंटर कॉलेज ऐसी कार्यशाला कराकर अपने विद्यालय के छात्र-छात्राओं में न सिर्फ शिक्षा अपितु सर्वांगीण विकास के साथ अपनी संस्कृति और परंपरा से जुड़ने के लिए संस्कृति विभाग उत्तर प्रदेश का आभार व्यक्त करता है जिन्होंने यह अवसर प्रदान किया ।कार्यक्रम के अध्यक्षता प्रधानाचार्य वंदना श्रीवास्तव ने की । कार्यक्रम के अंत में संयोजिका श्वेता श्रीवास्तव ने अतिथियों का धन्यवाद देते हुए बताया कि यह कार्यशाला सात दिन चलेगी जिसमें निशुल्क ढोलक वादन प्रशिक्षक मनजीत कौशिक जी के द्वारा सिखाया जाएगा जिसमें पचास प्रतिभागी शामिल होंगे इस अवसर पर नीतू राय,आशीष शर्मा, दत्तात्रेय पांडे ,मुन्ना मासूम, लक्ष्य , देवाशीष पांडे, देवराज सिंह मौजूद रहे।

संदिग्ध उत्तर पुस्तिकाओं की फॉरेंसिक जांच कराएगा यूपी बोर्ड

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद (यूपी बोर्ड) की संदिग्ध उत्तरपुस्तिकाओं की फोरेंसिक जांच कराई जाएगी।

मूल्यांकन के दौरान कुछ गड़बड़ी की शिकायत मिली है। जांच में दोषी पाए जाने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। यूपी बोर्ड स्क्रूटनी के दौरान संदिग्ध पाई जाने वाली उत्तर पुस्तिकाओं की फॉरेंसिक जांच कराएगा। साथ ही जिन उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन में त्रुटि मिलती है, उन उत्तर पुस्तिकाओं को जांचने वाले परीक्षकों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। यूपी बोर्ड के सचिव भगवती सिंह ने सभी क्षेत्रीय कार्यालयों के अपर सचिवों से इस बारे में रिपोर्ट तलब की है।स्क्रूटनी का परिणाम 15 जुलाई तक जारी किया जाना है। सचिव ने कहा कि मुख्यालय में अनुमोदन के लिए प्राप्त कराई जाने वाली सान्त्रिरिक्षित उत्तर पुस्तिकाओं में पूर्व में दिए गए अंकों में ओवर राइटिंग, स्याही में भिन्नता की स्थिति या अमूल्यांकित प्रश्नोत्तर की आख्या अंकित करते हुए यदि अंकों में वृद्धि बताई जाती है तो विषय विशेषज्ञों से गहन जांच कराई जाएगी और प्रकरण संदिग्ध होने की स्थिति में उसकी फोरेंसिक जांच भी होगी।इसमें दोषी पाए जाने पर संबंधित के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी।

करेली में टाइल्स मिस्त्री की हत्या, खून से लथपथ शव कमरे से कुछ दूर पर मिला

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

प्रयागराज। शहर के करेली में किराए के कमरे में रहने वाले टाइल्स मिस्त्री की हत्या कर दी गई है। हत्यारों का कुछ सुराग नहीं लग सका है। टाइल्स मिस्त्री पुनीत प्रजापति (20) मूल रूप से अंबेडकर नगर के आलापुर इलाके का रहने वाला था शहर के करेली में किराए के कमरे में रहने वाले टाइल्स मिस्त्री की हत्या कर दी गई है। हत्यारों का कुछ सुराग नहीं लग सका है। टाइल्स मिस्त्री पुनीत प्रजापति (20) मूल रूप से अंबेडकर नगर के आलापुर इलाके का रहने वाला था। वह प्रयागराज के करेली में किराए के मकान में रहता था। सोमवार को उसकी लाश मिलने पर खलबली मच गई। सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने फोरेंसिक और डॉग स्क्वॉयड टीम के साथ छानबीन शुरू कर दी। कमरे से कुछ दूर पर खून से लथपथ उसका शव मिला। कनपटी पर जख्म पाए गए।

एमएनएनआईटी के निदेशक प्रो. आरएस वर्मा का इस्तीफा, पांच साल के लिए हुई थी नियुक्ति

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

प्रयागराज। प्रयागराज में स्थित मोतीलाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एमएनएनआईटी) के निदेशक प्रो. आरएस वर्मा ने कार्यकाल पूरा होने से डेढ़ साल पहले ही इस्तीफा दे दिया है। उनकी नियुक्ति पांच साल के लिए की गई थी। इसके पहले उनकी शैक्षिक योग्यता को लेकर भी केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय में शिकायत की जा चुकी है। मोतीलाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एमएनएनआईटी) के निदेशक प्रो. आरएस वर्मा ने इस्तीफा दे दिया है। अचानक उनके इस्तीफे ने हर किसी को चौंका दिया है। इसे लेकर कई तरह की अटकलें हैं। खास बात है बीते दिनों संस्थान के औद्योगिक क्षेत्र के मामले में

उद्यमियों ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री से उनकी शिकायत की थी। इससे पहले उनकी अर्हता को लेकर भी शिकायत की जा चुकी है। जनवरी 2022 में केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) मद्रास में बायोटेक्नोलॉजी विभाग में तैनात रहे प्रो. रमाशंकर वर्मा को पांच वर्ष के लिए एमएनएनआईटी का निदेशक नियुक्त किया था। लेकिन, कार्यकाल पूरा होने के डेढ़ साल पहले ही उन्होंने इस्तीफा दे दिया है। देर शाम निदेशक प्रो. आरएस वर्मा ने बातचीत में इस्तीफे की बात स्वीकार की। साथ ही व्यक्तिगत कारण का हवाला दिया इससे पहले एमएनएनआईटी के औद्योगिक क्षेत्र को लेकर विवाद चल रहा है। संस्थान के औद्योगिक क्षेत्र में संचालित 50 कारखानों को खाली करने का नोटिस दिया गया था।

संभल जामा मस्जिद सर्वे के खिलाफ पुनरीक्षण याचिका हाईकोर्ट ने की खारिज, मुस्लिम पक्षकार को झटका

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

प्रयागराज। संभल जामा मस्जिद के सर्वे के खिलाफ दाखिल मुस्लिम पक्ष की याचिका इलाहाबाद हाईकोर्ट से खारिज हो गई है। गत दिनों सुनवाई के दौरान दोनों पक्षों की दलील सुनने के बाद कोर्ट ने फैसला सुरक्षित कर लिया था। सोमवार को आदेश जारी किया गया है। संभल जामा मस्जिद के सर्वे के खिलाफ दाखिल मुस्लिम पक्ष की याचिका इलाहाबाद हाईकोर्ट से खारिज हो गई है। गत दिनों सुनवाई के दौरान दोनों पक्षों की दलील सुनने के बाद कोर्ट ने फैसला सुरक्षित कर लिया था। सोमवार को आदेश जारी किया गया है। हाईकोर्ट के आदेश से मुस्लिम पक्षकार को झटका लगा है। कोर्ट में मुस्लिम पक्ष की याचिका खारिज कर दी है। कोर्ट ने ट्रायल कोर्ट की ओर से जारी एडवोकेट कमीशन की जांच में हस्तक्षेप से इनकार कर दिया है। न्यायमूर्तियह विवाद तब शुरू हुआ, जब अधिवक्ता हरिशंकर जैन और सात अन्य ने दावा किया कि जामा मस्जिद दरअसल प्राचीन हरिहर मंदिर के स्थान पर बनाई गई है। उन्होंने जिला अदालत में वाद दाखिल कर एएसआई से सर्वेक्षण कराने की मांग की थी। जिला अदालत ने एडवोकेट कमिश्नर के जरिये प्रारंभिक सर्वे का आदेश दिया था, जिसे मस्जिद कमेटी ने हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। हाईकोर्ट पहले ही आठ जनवरी 2025 को मामले की सुनवाई पर अंतरिम रोक लगा चुका है। अब कोर्ट का सोमवार को आने वाला फैसला यह स्पष्ट करेगा कि सर्वे की कार्रवाई जारी रहेगी या नहीं। इस फैसले पर देशभर की निगाहें टिकी हैं।

भाजपा विधायकों का होगा ऑडिट, उसी आधार पर पार्टी तय करेगी 2027 चुनावों का टिकट

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

प्रयागराज। यूपी में 2027 में होने वाले चुनावों के लिए भाजपा अभी से तैयारी में जुट गई है। भाजपा के विधायकों का ऑडिट किया जाएगा। उसी के आधार पर टिकट तय होंगे। विधानसभा चुनाव 2027 में भाजपा के मौजूदा विधायकों की दावेदारी पर संकट आ सकता है। टिकट बांटने से पहले सभी विधायकों को जनता की कसौटी पर कसा जाएगा। विधायकों की लोगों के बीच छवि परखने का काम शुरू भी कर दिया गया है।दरअसल, सरकार और भाजपा चुनावी मोड में जाने से पहले अपने विधायकों के बारे में पूरा ब्योरा जुटाना चाहती है। इसलिए उनके कामकाज का ऑडिट कराया जा रहा है ताकि पता लगाया जा सके कि कौन विधायक जनता के बीच कितना सॉलिड है।भाजपा प्रदेश में लगातार दो बार सरकार बनाने के बाद अब हैट्रिक की रणनीति बना रही है। ऐसे में पार्टी टिकट बांटने में कोई गलती नहीं करना चाहती। सूत्रों के मुताबिक, विधायकों का ऑडिट कराने की जिम्मा सरकार को सौंपा गया है। सरकार ने कुछ एजेंसियों को काम पर लगा दिया है। एजेंसियों ने गोपनीय तरीके से काम शुरू भी कर दिया है। विधायकों के कामकाज और जनता के बीच छवि का ऑडिट कराने के साथ ही सभी 403 विधानसभा क्षेत्रों के सामाजिक व राजनीतिक समीकरणों के आधार पर सर्वे कराने का भी फैसला लिया गया है। विधानसभावार सर्वे करके एक डाटा तैयार किया जाएगा।

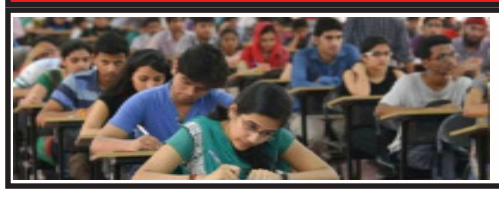

प्रदेश आस/पास

भारत

सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा जिला कारागार में मानसिक रुप से पीड़ित बन्दियों से मिलकर जानी गयी उनकी समस्या

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
रायबरेली। उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ तथा माननीय जनपद न्यायाधीश/ अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, रायबरेली राजकुमार सिंह के दिशा-निर्देश में अनुपम शौर्य अपर जिला जज/सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, रायबरेली द्वारा जनपद में गठित समिति लीगल सर्विस फॉर मेन्टली इल पर्सन(मनोन्याय) के सदस्यों के साथ शनिवार को जिला कारागार, रायबरेली में निरुद्ध मानसिक रुप से विक्षिप्त बन्दियों की देख-रेख के बाबत बैठक कर निरीक्षण किया गया। मानसिक रुप से विक्षिप्त 8 बन्दियों के सम्बन्ध में समिति द्वारा जेल अधीक्षक से जानकारी लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किये गये। समिति द्वारा बन्दियों की काउन्सिल के उपरांत मनोचिकित्सक डा0 प्रदीप कुमार से गंभीर रुप से बीमार बन्दियों के सम्बन्ध में आवश्यक विचार-विमर्श उपरांत उचित इलाज हेतु मानसिक चिकित्सालय, वाराणसी भेजे जाने के की कार्यवाही लीगल एड डिफेन्स काउन्सिल के माध्यम से कराये जाने हेतु समिति द्वारा निर्णय लिया गया। अन्य मानसिक रुप से बीमार बन्दी जो कि जिला चिकित्सालय के अथक प्रयासों से ठीक हो चुके है, को न्यायालय के समक्ष गवाही की कार्यवाही में सम्मिलित करवाने के सम्बन्ध में भी आदेश जारी किये गये। लीगल सर्विस फॉर मेन्टली इल पर्सन(मनोन्याय) की उक्त बैठक में इस सम्बन्ध में भी विचार-विमर्श किया गया कि जनपद रायबरेली में अन्य कोई मानसिक रुप से बीमार व्यक्ति जो अपने पारिवारी जन के साथ रह रहा है उसके पारिवारी जन आवश्यक विधिक एवं चिकित्सीय सहायता हेतु प्रार्थनापत्र इकाई अथवा प्राधिकरण के समक्ष प्रस्तुत कर सकते है। ऐसे मामलों में इकाई अथवा प्राधिकरण आवश्यक दिशा-निर्देश/आदेश पुलिस एवं मानसिक चिकित्सालय को जारी कर सकती है।

मिशन चक्रव्यूह; पुलिस की चेकिंग के दौरान मुठभेड़, जवाबी फायरिंग में दो तस्कर घायल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
गोरखपुर। मिशन चक्रव्यूह के दौरान लौटूवीर पुलिया के पास चेकिंग चल रही थी। सामने से आ रही ट्रक को जब रूकने का इशारा किया गया तब वो रूका नहीं पुलिस ने पीछा किया तो पुलिस पर फायर झोंक दिया। जवाबी फायरिंग में एक तस्कर के पैर में गोली लगी और चार को पकड़ा गया। इनके पास से तमंचा और कारतूस बरामद हुआ और ट्रक से संरक्षित पशु पकड़े गए। लंका पुलिस ने मिशन चक्रव्यूह चेकिंग के दौरान रविवार सुबह लौटूवीर पुलिया से 200 मीटर पर सर्विस लेन पर मुठभेड़ के दौरान चार तस्करों को गिरफ्तार किया। सर्विस लेन से रामनगर की तरफ ट्रक चालक गाड़ी लेकर भाग था। लौटूवीर अंडर पास पर रास्ता खराब होने के कारण ट्रक रोककर उतरकरक भागने लगा। भाग रहे दो तस्करों ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। पुलिस की जवाबी फायरिंग में नजमुद्दीन 32 वर्षीय निवासी कस्बा मीरगंज सूफी टोला बरेली मोहम्मद हसन निवासी नौगवा थाना शहजादनगर रामपुर पैर में गोली लगने घायल हो गए। जबकि भाग रहे अली शेर निवासी दिलावरगंज इन्हौना बरेली गूंगा रावतपुर शाहजहांपुर को गिरफ्तार किया।गिरफ्तार तस्करों के पास से दो तमंचा 315 बोर 2 जिंदा और दो खोखा बरामद हुआ। पुलिस ने 24 संरक्षित पशुओं को मुक्त कराया है।

धड़ल्ले से संचालित हो रहे अवैध अस्पताल व पैथोलॉजी क्लिनिक स्वास्थ्य विभाग बना अन्जान

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। जिले में इस समय धड़ल्ले से संचालित हो रहे अवैध अस्पताल पैथोलॉजी व क्लिनिक स्वास्थ्य विभाग को पूरी जानकारी होते हुए भी स्वास्थ्य विभाग अन्जान बना हुआ है। पूरे जिले भर में हजारों अवैध अस्पताल क्लीनिक पैथोलॉजी खुले हुए हैं।ये अवैध अस्पताल बिना रजिस्ट्रेशनऔर मानकों के खिलाफ चल रहे हैं बल्कि बड़ी संख्या में झोलाछाप भी इलाज कर रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग इन पर अंकुश लगाने में नाकाम है।जिले में मंडलीय अस्पताल के अलावा सीएचसी, पीएचसी, न्यू पीएचसी और बड़ी संख्या में केंद्र खोले गए हैं। इसके बाद भी प्राइवेट अस्पताल की संख्या तेजी से बढ़ रही है। नगर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में बिना मानक के अस्पतालों का संचालन हो रहा है।नगर में कई अस्पताल है एक या दो कमरे में चल रहे है। ऐसे अस्पतालों में आपरेशन से लेकर प्रसव तक हो जा रहा है। व अस्पताल खोलने का मानक भी पूरा नहीं कर रहे, इसके बाद भी उन पर रोक नहीं लग पा रहा है। उनके पास न तो डाक्टर है न प्रशिक्षित स्टाफ है।नगर के धर्मशाला चौक, घोरावल रोड, शीतला मंदिर रोड,यही नहीं सीएमओ ऑफिस के इर्द-गिरद, रेलवे क्रॉसिंग के इस पार उस पर घुवास रोड,अमोखर चट्टी पर लगभग 6-7की संख्या में अवैध क्लिनिक, तेंदु पुल,सोनवार रोड,नई बाजार लगभग10-12 की संख्या,चतरा बाजार में लगभग 10अवैध झोलाछाप डॉक्टर रामगढ़ बाजार में लगभग 20 से लेकर 25 अवैध झोलाछाप डॉक्टर जिसमें होम्योपैथिक,आयुर्वेदिक डेंटिस्ट इत्यादि सब मिलाकर यही नहीं कुछ लोग मेडिकल स्टोर के अंदर दोनों कार्य कर रहे हैं मेडिकल भी चला रहे हैं अवैध व क्लिनिक भी पन्नुगंज से पनौरा रोड तक लगभग एक दर्जन से भी अधिक अवैध झोलाछाप डॉक्टर, ओईनी बाजार स्थित लगभग 15 से लेकर 20 अवैध झोलाछाप डॉक्टर खलियारी मार्केट में लगभग 25 से लेकर 30 अवैध झोलाछाप डॉक्टर अपनी दुकान चला रहे हैं।जो जनता के पसीने के कमाई को लूट रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्र में तो दुकान की तरह खुले है अस्पताल व झोलाछाप क्लिनिक ग्रामीण क्षेत्र में दुकानों की तरह अस्पताल झोलाछाप क्लिनिक खुले हुए है। इलाज के नाम पर लोगों से मनमानी वसूली की जाती है। साथ ही कई मरीजों मौत इलाज के दौरान मौत भी हो चुकी है। मधुपुर ओवर ब्रिज के नीचे खैरपुर रोड पर सीलथम पटना क्षेत्र में इर्द-गिरद गावं मे लगभग दो दर्जन से अधिक झोलाछाप डॉक्टर इलाज कर रहे हैं।विजयगढ़ किला रोड,धनधरौल बांध के पास से लेकर चुर्क नहर तक लगभग एक दर्जन से भी अधिक झोलाछाप सक्रिय है।मारकुंडी क्षेत्र में मीना बाजार, बाजार व पहाड़ियों में गांव-गांवअवैध झोलाछाप डॉक्टर जनता को लूट रहे हैं।यही नहीं [illegible], बसुहारी,सिंदुरिया रोड से लेकर जुगैल रोड से लेकर सेमिया घोरिया तक लगभग 40 से लेकर 50 अवैध झोलाछाप डॉक्टर अपनी अवैध दुकान चला रहे हैं।शाहगंज बाजार के अगल-बगल परासी पांडेय राजपुर रोड से लेकर लगभग गांव-गांव में अवैध झोलाछाप डॉक्टर बैठे हुए हैं। ओदार रोड गुरुवल कोलिया घाट बर्दिया रोड शिवद्वार रोड घोरावल मेन मार्केट से लेकर भुवास कॉलोनी,फुलवारी इन सभी जगहों पर लगभग सैकड़ो अवैध झोलाछाप डॉक्टर बैठे हुए हैं।मधुपुर से लेकर खैरपुर से लेकर करमा बाजार,खैराही ककराही,पगिया लगभग 50 की संख्या में झोलाछाप डॉक्टर बैठे हुए हैं स्वास्थ्य विभाग इन झोलाछाप डॉक्टर पर कोई कार्रवाई नहीं कर रही है जिससे यह झोलाछाप जनता के जान माल के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं।

जौनपुर में दूसरे दिन मुठभेड़, गोतस्कर घायल, गिरफ्तार; सिपाही की मौत से चेकिंग अभियान तेज

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
जौनपुर। जौनपुर में बीते रविवार को गोतस्करों ने एक सिपाही को अपने पिकअप से कुचल दिया था, जिससे उसकी मौत हो गई थी। दूसरे दिन सोमवार को हुए मुठभेड़ में पुलिस ने एक और तस्कर को अरेस्ट किया है। अंधेरे का फायदा उठाकर उसका साथी भाग निकाल, जिसकी तलाश की जा रही है।यूपी के जौनपुर में सोमवार की भोर में पुलिस ने मुठभेड़ में एक बदमाश को घायल कर गिरफ्तार कर लिया। उसके पास से एक तमंचा 315 बोर, एक खोखा कारतूस, एक जिंदा कारतूस और एक बाइक बरामद हुई है।अपराध की रोकथाम और अपराधियो की गिरफ्तारी हेतु चलाए जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के दिशा-निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी सदर के निकट पर्यवेक्षण में सोमवार को थानाध्यक्ष बक्शा व थानाध्यक्ष तेजीबाजार द्वारा संयुक्त रूप से संदिग्ध वाहन/ व्यक्ति चेकिग किया जा रहा था।इसी समय मुखबिर से जानकारी मिली की दो संदिग्ध व्यक्ति बक्सा हाइवे से चुरावनपुर की तरफ जाने वाले है। इस सूचना पर समय करीब रात करीब एक बजे पुलिस वाले चुरावनपुर जाने वाली सड़क से लगभग 100 मीटर आगे नहर की पुलिया के पास संदिग्ध व्यक्तियों का इंतजार करने लगे। थोड़ी ही देर में बक्सा हाइवे की तरफ चुरावनपुर की तरफ जाने वाली सड़क पर एक बाइक तेजी से आती हुई दिखाई दी। पुलिसकर्मियों को देखकर बाइक सवार भागने के फिराक में दाहिने मुड़े लेकिन अनियंत्रित होकर गिर पड़े।पुलिस को आता देख खेत की तरफ भागे इससे पहले टीम पर फायर भी किया। आत्मरक्षार्थ कमर के नीचे लक्ष्य कर थानाध्यक्ष तेजीबाजार ने एक राउंड फायर किया। इससे एक बदमाश के बाएं पैर में घुटने के नीचे गोली लग गई। यह देख उसका साथी अंधेरे का फायदा उठाकर भाग गया घायल बदमाश से पूछने पर अपना नाम राजू यादव (21) पुत्र नन्हेलाल निवासी मथुरापुर कोठवां थाना जलालपुर (जौनपुर) बताया। उसने भागे हुए बदमाश का नाम काजू पुत्र तहसीलदार यादव निवासी तालाबेला थाना चोलापुर (वाराणसी) बताया। अभियुक्त राजू के पास से एक तमंचा, 315 बोर, एक खोखा कारतूस, एक जिंदा कारतूस और एक बाइक (ळइ62ण्8572) बरामद हुआ है।

विश्व संग्रहालय दिवस पर सूने रहे संग्रहालय

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। जब सारे विश्व में अवस्थित संग्रहालयो में पर्यटकों की भारी भीड़ लगी हो, पर्यटक अपनी इतिहास, संस्कृति, साहित्य को संग्रहित कलाकृतियों के माध्यम से जानने के उत्सुक हो, ऐसे में भूतात्विक, पुरातात्विक, ऐतिहासिक, धार्मिक दृष्टि से विश्व में महत्वपूर्ण स्थान रखने वाले सोनभद्र जनपद के शिवद्वार, मऊ गांव में अवस्थित खंडहर बन चुके संग्रहालय सूना पड़ा रहा। इन संग्रहालयों में आने वाले पर्यटक, विद्यार्थी, स्थानीय नागरिक खंडहर रूपी संग्रहालय के गेट पर बंद ताले को कातर दृष्टि से निहारते हुए मायूस होकर लौट गए, दूसरी ओर संग्रहित प्रस्तर मूर्तियां भी अपने बदहाली, असुरक्षा, दुर्दशा पर आंसू बहाती रही इतिहासकार दीपक कुमार केसरवानी के अनुसार-ङ्कसांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक दृष्टि से महत्वपूर्ण सोनभद्र के शिवद्वार एवं सुप्रसिद्ध विजयगढ़ दुर्ग स्थित मऊ गांव में बिखरे हुए ऐतिहासिक, कलाकृतियो, मूर्तियो को सुरक्षित रखने के दृष्टि से विंध्य संस्कृति शोध समिति उत्तर प्रदेश ट्रस्ट एवं अन्य सामाजिक, सांस्कृतिक संगठनो, साहित्यकारों के लंबे संघर्षों , प्रयासों के बाद 11 वे वित्त आयोग योजना के अंतर्गत उत्तर प्रदेश राज्य पुरातत्व निदेशालय लखनऊ द्वारा

शिवद्वार में स्थलीय संग्रहालय का निर्माण कराया गया एवं 3 सितंबर 2009 को तत्कालीन संस्कृति मंत्री द्वारा इसका उद्घाटन भी किया गया, 15 सितंबर 2009 को विजयगढ़ दुर्ग स्थित मऊ गांव के संग्रहालय का उद्घाटन भी तत्कालीन संस्कृति मंत्री द्वारा किया गया। उद्घाटन के पश्चात कुछ वर्षों बाद यह संग्रहालय वित्त एवं कर्मचारियों के अभाव में बंद हो गया।स्थानीय नागरिक एवं संग्रहालय के मूर्तियों के संग्रहण में अग्रणी भूमिका निभाने वाले अशोक गोस्वामी के अनुसार-मऊ स्थित संग्रहालय अनेकों दुर्लभ, प्राचीन मूर्तियां, कलाकृतियां संग्रहित है,इस संग्रहालय के निर्माण का उद्देश्य यह था कि ऐतिहासिक विजयगढ़ दुर्ग पर प्रतिवर्ष लगने वाले हिंदू मेले व अन्य कार्यक्रमों में भारी संख्या में आने वाले पर्यटक संग्रहालय में अवस्थित मूर्तियां का अवलोकन कर स्थानीय इतिहास से परिचित हो सके, लेकिन हम गांव वालों का सपना अधूरा रह गया। आज इस संग्रहालय की दीवारें, खिड़कियां जगह-जगह से टूट चुकी है मूर्ति तस्करों की कुदृष्टि संग्रहालय में संग्रहित कलाकृतियों पर गड़ी हुई है।वरिष्ठ अधिवक्ता राम अनुज धर द्विवेदी ने शिवद्वार स्थित संग्रहालय की दुर्दशा पर दुख व्यक्त करते हुए कहा कि-संग्रहालय के निर्माण की उद्देश्य की पूर्ति नहीं हो पा रही है विश्व प्रसिद्ध शिवद्वार मंदिर में प्रतिवर्ष शिवरात्रि, बसंत पंचमी सावन के महीने में कावड़ यात्रा आदि धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन होता है,लाखों की संख्या में दर्शनार्थी, भक्तजन, पर्यटक, मंदिर में दर्शन करने के लिए आते हैं। इसी आशा और विश्वास के साथ इस संग्रहालय का निर्माण कराया गया था कि स्थानीय पर्यटक संग्रहालय में संग्रहित कलाकृतियां देख सके और स्थानीय संस्कृति, साहित्य, इतिहास का ज्ञान प्राप्त कर सके लेकिन आज यह संग्रहालय वर्षों से बंद पड़ा है।क्षेत्रीय पुरातत्व अधिकारी वाराणसी डॉक्टर रामनारायण पालको स्थानीय निवासियों द्वारा संग्रहालय की अव्यवस्थाओं, बंद होने की सूचना कई बार दी गई लेकिन उन्होंने विभागीय कर्मचारियों, वित्तीय कमी बात कर भविष्य में संग्रहालय के व्यवस्थित होने की बात करते रहे हैं।स्थानीय नागरिकों ने मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश से यह मांग किया कि यथाशीघ्र मऊ एवं शिवद्वार में स्थित संग्रहालय व्यवस्थित करते हुए, विभागीय कर्मचारियों की नियुक्ति की जाए एवं संग्रहालय पर्यटकों के लिए प्रतिदिन खोला जाए ताकि आने वाले पर्यटक सोनभद्र के इतिहास संस्कृति साहित्य से परिचित हो सके।

एमजीयूजी में नर्सिंग पाठ्यक्रमों की प्रवेश परीक्षा संपन्न, 2 पाली में शामिल हुए 3567 परीक्षार्थी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
गोरखपुर। एमजीयूजी में आज हुई प्रवेश परीक्षा की विशिष्टता यह भी रही कि किंचित कारणों से प्रवेश पत्र न लाने अथवा पहली पाली में अनुपस्थित होने वाले अभ्यर्थियों को पूर्व नियोजित विशेष प्रबंध के तहत परीक्षा में शामिल होने का अवसर दिया गया। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) में सत्र 2025-26 में प्रवेश हेतु रविवार को दो पालियों में नर्सिंग पाठ्यक्रमों (बीएससी नर्सिंग, पोस्ट बेसिक बीएससी नर्सिंग, एमएससी नर्सिंग) की संयुक्त प्रवेश परीक्षा विश्वविद्यालय परिसर के दो केंद्रों नर्सिंग व पैरामेडिकल संकाय और गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में सकुशल संपन्न हुई। दोनों पालियों को मिलाकर 3567 अभ्यर्थी इस प्रवेश परीक्षा में सम्मलित हुए।एमजीयूजी में आज हुई प्रवेश परीक्षा की विशिष्टता यह भी रही कि किंचित कारणों से प्रवेश पत्र न लाने अथवा पहली पाली में अनुपस्थित होने वाले अभ्यर्थियों को पूर्व नियोजित विशेष प्रबंध के तहत परीक्षा में शामिल होने का अवसर दिया गया।विश्वविद्यालय प्रशासन ने परीक्षा से संबंधित व्यवस्थाओं के तहत आवेदकों के लिए सहायता केन्द्र व अभिभावकों के लिए परिसर में जल के साथ गुड़, वाहनों के लिए समुचित पार्किंग की सुविधा, निशुल्क स्वस्थ्य जांच और किसी भी आपात स्थिति के लिए सम्पूर्ण चिकित्सकीय प्रबंध कर रखे थे। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह व कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने दोनों पालियों में परीक्षा केंद्रों समेत समस्त महत्वपूर्ण स्थलों का निरीक्षण कर परीक्षा के सुचारु व सुव्यवस्थित क्रियान्वयन पर प्रसन्नता व्यक्त की प्रवेश परीक्षा समिति के समन्वयक डॉ. शशिकांत सिंह ने बताया कि रविवार को आयोजित प्रवेश परीक्षा में पूर्वांचल के समस्त मंडलों सहित, पश्चिमी उत्तर प्रदेश के साथ बिहार, झारखण्ड, मध्य प्रदेश, हरियाणा और अन्य राज्यों के अभ्यर्थी भी इस परीक्षा में शामिल हुए जो नर्सिंग शिक्षा में विश्वविद्यालय की विश्वसनीयता को इंगित करता है प्रवेश परीक्षा समिति के समन्वयक ने बताया कि विश्वविद्यालय के अन्य पाठ्यक्रमों (बीएससी आनर्स एग्रीकल्चर, बीएससी आनर्स बायोटेक्नोलॉजी, बायोकेमिस्ट्री, माइक्रोबायोलॉजी, मेडिकल बायोकेमिस्ट्री, मेडिकल माइक्रोबायोलॉजी, डी फार्म व बी फार्म एलोपैथी) में प्रवेश हेतु संयुक्त प्रवेश परीक्षा 21 मई को और एएनएम, डिप्लोमा लैब टेक्नीशियन, इमरजेंसी एंड ट्रामा केयर टेक्नीशियन, ऑप्टोमेट्री, ऑर्थोपेडिक एंड प्लास्टर टेक्नीशियन, डायलीसिस टेक्नीशियन, एनेस्थीसिया एंड क्रिटिकल केयर टेक्नीशियन, बीबीए आनर्स लॉजिस्टिक्स तथा पीएचडी की प्रवेश परीक्षा 25 मई को होगी।

मालिक को बचाने के लिए ड्राइवर ने मोड़ी कार, फिर घटी दर्दनाक घटना, चली गई जान; तीन लोग घायल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। सोनभद्र के करमा थाना क्षेत्र के भरकवाह गांव के पास रविवार रात एक भीषण सड़क हादसा हो गया। शादी समारोह से लौट रहे चार लोगों की कार सड़क किनारे खड़ी ट्रक से जा टकराई। थाना राजगढ़ क्षेत्र के गांव रामपुर निवासी ओमप्रकाश मिश्रा (45) अपने बेटे प्रशांत (20) रिश्तेदार प्रशांत मिश्रा (42) व राजू मिश्रा (35) के साथ एक शादी समारोह में शामिल होकर कार से लौट रहे थे। सभी लोग बसवा गांव (केकराही के पास) से घर की ओर जा रहे थे। देर रात करीब साढ़े 12 बजे भरकवाह गांव के पास सामने से आ रही तेज रफ्तार ट्रक ने अचानक दाहिनी ओर मोड़ काट दिया। कार चालक रामलाल ने ट्रक से बचने के लिए गाड़ी बाईं ओर मोड़ी, लेकिन सड़क किनारे बालू लदी खड़ी ट्रक से कार की टक्कर हो गई। कार के उड़ गए परखच्चे टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। हादसे की आवाज सुनकर मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने किसी तरह कार सवारों को बाहर निकाला और एक निजी अस्पताल पहुंचाया। वहां से सभी को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया रास्ते में ही ओमप्रकाश मिश्रा ने दम तोड़ दिया। उनका शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। ट्रक चालक फरार बताया जा रहा है।

रात को दारू पी, सुबह घर के पीछे मिली लाश, परिजन बोले- हत्या की गई है; प्रधान और दोस्तों पर शक

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। दादूपुर गांव में लाश मिलने की सूचना मिलते ही मौके पर कपसेठी थाने की पुलिस भी पहुंच गई। परिजनों ने हत्या का आरोप लगाकर शव को नहीं लेने दिया। पुलिस ने काफी समझाने पर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। कपसेठी थाना क्षेत्र के दादूपुर गांव निवासी रंजीत कुमार गौड़ (35) पुत्र शारदा की घर के पीछे पोखरी में शव पाए जाने से सनसनी फैल गई। परिजनों ने हत्या का आरोप लगाया है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मौके पर एसीपी राजातालाब अजय कुमार श्रीवास्तव ने भी घटनास्थल का मुआयना किया।बीती रात दादूपुर गांव में दिनेश के घर पर बर्थडे पार्टी थी, जहां पर जाने के लिए रंजीत और ग्राम प्रधान रमेश कुमार पटेल, संतोष कुमार, संजू तथा दिनेश एक जगह जुटे। रंजित मृतक के घर के पीछे स्थित पोखरी के पास चारपाई और कुर्सी पर बैठकर शराब पी। सोमवार को सुबह पोखरी के किनारे रंजीत का शव पाए जाने से सनसनी फैल गई। देखते ही देखते ग्रामीणों की भीड़ इकट्ठा हो गई।परिजनों ने इसकी सूचना कपसेठी पुलिस को दी। घटना की सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष अरविंद कुमार सरोज तथा एसीपी राजातालाब फॉरेंसिक टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेने का प्रयास किया तो परिजनों ने विरोध शुरू कर दिया।एसीपी के समझाने पर परिजन माने और पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। परिजनों ने ग्राम प्रधान सहित साथ में शराब पी रहे अन्य चार लोगों पर हत्या का आरोप लगाते हुए तहरीर दी है मृतक तीन बेटी तथा एक बेटे का पिता है। घटना के बाद उसकी पत्नी संगीता का रो-रो कर बुरा हाल है। मृतक दो भाइयों में छोटा था। मजदूरी करके परिवार का भरण पोषण करता था।

मिर्जापुर, सोनभद्र

समाचार पत्रों में प्रकाशित खबर एवं शिकायत प्लास्टिक जलाये जाने से दुर्गंध फैलने की खबर/शिकायत का जिलाधिकारी ने लिया संज्ञान प्रकरण की जॉच हेतु क्षेत्रिय प्रदूषण नियंत्रण अधिकारी को किये निर्देशित

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। जिलाधिकारी बी0एन0 सिंह ने प्लास्टिक जलाये जाने से दुर्गंध फैलाने की खबर/शिकायत

को संज्ञान में लिया जिसमें यह तथ्य अंकित किये गये थे कि मेसर्स अल्ट्राटेक सीमेन्ट लिमिटेड (यूनिटः डाला सीमेन्ट वर्क्स) द्वारा बाहर से कचरा मंगवाकर जलाया जा रहा है जिससे दुर्गंध फैल रही है और वातवरण प्रदूषित हो रहा है मामलें को संज्ञान में लेकर क्षेत्रिय प्रदूषण नियंत्रण अधिकारी को जॉच कर आख्या उपलब्धा कराने के निर्देश दिये उक्त क्रम में क्षेत्रिय प्रदूषण नियंत्रण अधिकारी आर0के0 सिंह द्वारा अपनी जॉच आख्या में अवगत कराया है कि वायु (प्रदूषण निवारण तथा नियंत्रण) अधिनियम, 1981 (यथासंशोधित) के अन्तर्गत आपके उद्योग को सहमति वायु निर्गत की जाती है, जिसमें स्पष्ट रूप से उल्लेख रहता है कि उद्योग में अनुबन्धित ईंधन के अतिरिक्त किसी भी प्रकार का अन्य ईंधन जैसे-गीला कूड़ा कचरा नहीं जलाया जायेगा तथा इस प्रकार का ईंधन भी नहीं जलाया जायेगा, जिससे दुर्गन्ध उत्पन्न होती है। प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत होता है कि आप द्वारा उद्योग में जानबूझकर ईंधन के रूप में गीला कूड़ा कचरा जलाया जा रहा है, जिससे आस-पास के लोगों को दुर्गन्ध का सामना करना पड़ रहा है। मेसर्स अल्ट्राटेक सीमेन्ट लिमिटेड (यूनिटः डाला सीमेन्ट वर्क्स) को निर्देशित किया जाता है कि उद्योग में अनुबन्धित ईंधन के अतिरिक्त किसी अन्य तरह का ईंधन का प्रयोग न किया जाय तथा अपने उद्योग को संचालन इस प्रकार करें कि आस-पास के लोगों को दुर्गन्ध एवं अन्य किसी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े। उक्त के अतिरिक्त यह भी निर्देशित किया जाता है कि बोर्ड द्वारा निर्गत सहमति (जल एवं वायु) के अनुपालन में अनुपालन आख्या फोटोग्राफ्स सहित एक सप्ताह के अन्दर उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें अन्यथा की दशा में आपके उद्योग को जारी सहमति (जल एवं वायु) को रिवोक करने तथा शिकायत का समुचित समाधान न होने की दशा में उद्योग के विरूद्ध पर्यावरणीय क्षतिपूर्ति अधिरोपित किये जाने की संस्तुति कर दी जायेगी।

सेवानिवृत कर्मचारी एसोसिएशन ने श्रद्धांजलि सभा की आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। रॉबर्ट्सगंज सेवानिवृत कर्मचारी एवं पेंशनर्स एसोसिएशन उत्तर प्रदेश जनपद शाखा सोनभद्र की ओर से रविवार को आर्य समाज मंदिर रॉबर्ट्सगंज के परिसर पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन जनपद अध्यक्ष सूरज बली सिंह की अध्यक्षता में संपन्न की गई जिसमें विभिन्न विभागों से सेवा निवृत कर्मचारियों के साथ राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के जनपद अध्यक्ष सुरेंद्र तिवारी व जनपद सचिव सलाउद्दीन ने भी भागीदारी किया त् नागेश्वर तिवारी, डॉद विक्रम प्रसाद सिंह, रामराज राम, शिव गणेश, मोती सिंह, अशोक फौजी आदि ने बिचार ब्यक्त किया स्वर्गीय बी एन सिंह के व्यक्तित्व व कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए चित्र पर माल्यार्पण कर सभा का समापन किया गया।

पिछड़ा वर्ग के बेरोजगार युवक/युवतियों हेतु संचालित ओ लेवल एवं सी0सी0सी0 कम्प्यूटर हेतु आनलाइन आवेदन करने की अन्ति तिथि 27 मई तक

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी विद्या देवी ने अवगत कराया है कि अवगत कराया है कि जनपद के समस्त कम्प्यूटर प्रशिक्षणदायी संस्थाओं को सूचित किया जाता है कि अन्य पिछड़े वर्ग के शिक्षित (इण्टर मीडिएट उत्तीर्ण) बेरोजगार युवक/युवतियों हेतु संचालित ओ लेवल एवं सी0सी0सी0 कम्प्यूटर प्रशिक्षण योजनान्तर्गत वर्तमान वित्तीय वर्ष 2025-26 में प्रदान कराये जाने हेतु प्रशिक्षण योजनान्तर्गत नीलिट से ओ लेवल कम्प्यूटर प्रशिक्षण एवं सी0सी0सी0 कम्प्यूटर प्रशिक्षण हेतु मान्यता प्राप्त संस्थाओं (आवेदन की अंतिम तिथि तक संस्था की मान्यता वैलिड हो) द्वारा प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए विभागीय वा`बासाइट backwardewlfareuped.goved.in S k e b obccomputertraininguposdcedgoved.in पर दिये लिंक पर आनलाइन किया जाना एवं मान्यता से सम्बन्धित अभिलेख व आधारभूत ढाचे तथा दिये गये प्रारूप पर नोटरी शपथ-पत्र का विवरण अपलोड करने के साथ हार्ड सम्बन्धित जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी कार्यालय में उपलब्ध करासा जाना है आनलाइन करने की अन्तिम तिथि 27 मई,2025 तक है संस्था द्वारा भरे गये ऑन लाइन आवेदन में अंकित सूचनाओं का जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी द्वारा अभिलेखिय/भौतिक सत्यापन किया जाना तथा सत्यापन रिपोर्ट ऑनलाईन अपलोड करते हुये आवेदन को अपने अभिमत सहित डिजीटल हस्ताक्षर से सत्यापित किया जाना दिनांक 30 मई,2025 तक है, निदेशालय स्तर पर गठित राज्य स्तरीय समिति द्वारा जनपद स्तर पर प्रषिक्षण देने हेतु संस्थाओं का चयन करना दिनांक 01 जून,2025, अभ्यर्थी द्वारा कम्प्यूटर प्रषिक्षण हेतु ऑनलाईन आवेदन एवं शैक्षिक व अन्य अभिलेखों को अपलोड किया जाना तथा आवेदन की प्रति डाउनलोड कर समस्त अभिलेखों सहित निर्धारित तिथि तक जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी कार्यालय में हार्ड कापी जमा किया जाना दिनांक 11 जून से 10 जुलाई,2025 तक है। आनलाईन आवेदन करने के पश्चात समस्त संलग्नको सहित हार्डकापी जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी कार्यालय, सोनभद्र कमरा नम्बर 35 में जमा किया जाना है।

आयुष मोबाइल मेडिकल यूनिट वाहन को मुख्य विकास अधिकारी ने हरी झण्डी दिखाकर किया रवाना

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। मुख्य विकास अधिकारी

जागृति अवस्थी ने आज विकास भवन परिसर में आयुष मोबाइल मेडिकल यूनिट को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किये यह आयुष मेडिकल यूनिट आयुष मोबाइल मेडिकल यूनिट अहरौरा ग्राम मे पहुँचकर मेडिकल कैम्प का आयोजन करेगी तथा होम्योपैथिक दवाइयों का मरीजो में वितरण किया जायेग यूनिट के सदस्यो मे वरिष्ठ चिकित्साधिकारी डा0 हरिकेश कुमार यादव, फार्मासिस्ट श्री रत्नेश कुमार एवं वार्डव्याय श्री अशोक कुमार आज के कैम्प का संचालन करेंगे। इस मौके पर जिला होम्योपैथिक चिकित्साधिकारी डा0 सूर्य प्रकाश मणि त्रिपाठी, जिला कार्यक्रम प्रबंधक आद्या प्रसाद सिंह, जनपद के वरिष्ठ होम्योपैथिक चिकित्सक डा0 कुसुमाकर श्रीवास्तव, डा0 सी0वी0डी0 पाण्डेय, फार्मासिस्ट बिपुल दूबे, जनमेजय सिंह , राजाराम सिंह उपस्थित रहे।

डिप्लोमा फार्मेसिस्ट राजपत्रित अधिकारी एसोसिएशन के अध्यक्ष बने अजय सिंह

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। डिप्लोमा फार्मेसिस्ट राजपत्रित अधिकारी एसोसिएशन

द्विवार्षिक अधिवेशन चुनाव लोढ़ी स्थित जिला अस्पताल आयुष चिकित्सालय परिसर में सोमवार को संपन्न हुआ जिसमें पर्यवेक्षक प्रदीप त्रिपाठी अध्यक्ष एव जिला मिर्जापुर एवं चुनाव अधिकारी श्रवण कुमार द्वारा वहां मौजूद डिप्लोमा फार्मेसिस्ट राजपत्रित अधिकारी एसोसिएशन पदाधिकारी द्वारा सर्वसम्मत से पदाधिकारी की घोषणा की गई जिस क्रम में अध्यक्ष अजय कुमार सिंह ,वरिष्ठ उपाध्यक्ष आशीष कुमार शुक्ला, उपाध्यक्ष राजीव सिंह, मंत्री शैलेश कुमार प्रजापति, संयुक्त मंत्री मनोज कुमार ,संगठन मंत्री सत्येंद्र कुमार, कोषाध्यक्ष रविंद्र कुमार, सप्रेषक विनय कुमार अग्रवाल पदाधिकारी मनोनीत किए गए चुनाव अधिकारी द्वारा सभी को अग्रिम बधाई दी गई वहीं पुनः अध्यक्ष बने अजय कुमार सिंह ने मौजूद कर्मचारियों को संबोधित करते हुए बताया कि सभी के हितों व संगठन की मजबूती के साथ कार्य किया जाएगा जो भी लड़ाई उच्च स्तरीय दिशा निर्देश दिए जाएंगे उसको मांगे पूरी होने तक की जाएगी।

थाना विण्ढ़मगंज पुलिस द्वारा फरार चल रहे, 01 नफर वांछित अभियुक्त को किया गया गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र, अशोक कुमार मीणा के द्वारा अपराध पर प्रभावी रोकथाम लगाने व वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) के निर्देशन तथा क्षेत्राधिकारी दुद्धी के निकट पर्यवेक्षण/नेतृत्व में आज दिनांक 18.05.2025 को मुखबिरी सूचना पर थाना विण्ढ़मगंज पुलिस द्वारा मु0अ0सं0- 81/2025 धारा- 69, 115(2), 352 बीएनएस व 67 आईटी एक्ट से सम्बन्धित 01 नफर वांछित अभियुक्त राहुल भुईया पुत्र राजकुमार भुईया निवासी ग्राम कालिंजर थाना विण्ढमगंज जनपद सोनभद्र को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय भेजा गया गया । **नाम पता गिरफ्तार अभियुक्त-** राहुल भुईया पुत्र राजकुमार भुईया निवासी ग्राम कलिंजर थाना विण्ढमगंज जनपद सोनभद्र । **गिरफ्तारी व बरामदगी करने वाली टीम-** 1.प्रभारी निरीक्षक शेषनाथ पाल थाना विण्ढमगंज जनपद सोनभद्र। 2.हे0का0 दिनेश कुमार प्रजापति थाना विण्ढमगंज जनपद सोनभद्र।

फ्लाईओवर/ अंडर पास न होने की वजह से आम जनमानस त्रस्ट

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य आशुतोष कुमार दुबे (आशु) के नेतृत्व में जिलाधिकारी के नाम से कलेक्ट्रेट पर अपर जिलाधिकारी रमेश चंद को ज्ञापन दिया । राबर्ट्सगंज रेलवे क्रॉसिंग एवं पुसौली /पीथा रेलवे क्रॉसिंग को लेकर उस पर फ्लाईओवर/ अंडरपास बनवाने की मांग करते भी जाम में फस कर समय खराब हो जाता है । वही पीथा - पुसौली मार्ग पर रेलवे लाइन क्रॉस करके लोग आते जाते हैं जिसकी वजह से कभी भी बड़ी दुर्घटना हो सकती है पीथा-पुसौली मार्ग को तो लेकर पूर्व में छोटेलाल खरवार (सांसद) को भी ज्ञापन दिया गया था और अंडरपास की मांग भी की गई थी लेकिन इन दोनों जगह पर अभी

हुए , आशु दुबे ने कहा कि रोजाना राबर्ट्सगंज-पन्नूगंज मार्ग पर हजारों लोगों का आवागमन है ये रास्ता रामगढ़,नगवा,खलियारी होते हुए बिहार भी चला जाता है, वहीं रामगढ़, नगवा के रास्ते चंदौली भी लोग आया-जाया करते हैं इस मार्ग पर स्थित रेलवे क्रॉसिंग पर अगर देखा जाए तो दिन में कम से कम 50 से 60 मालगाड़ी का आवागमन और वही लगभग आठ गाड़ी के लम सम पैसेंजर और एक्सप्रेस गाड़ियों का आवागमन लगा रहता है जिसकी वजह से रेलवे फ़ाटक दिन में कई बार गिरा हुआ रहता है और जिससे जाम का झाम पड़ा रहता है ।कई बार मरीज को भी जाम लगने से बहुत दिक्कत का सामना करना पड़ता है ।रोजाना हज़ारो लोगो जो इस रास्ते से आते - जाते हैं उनका तक कोई कार्यवाही होती नहीं दिख रही है। राबर्ट्सगंज-पन्नूगंज मार्ग पर रेलवे का क्रॉसिंग के आस-पास अतिक्रमण भी भरपूर मात्रा में फैला हुआ हैं जो जाम का कारण बनता हैं और आम जनमानस को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उपरोक्त बातों को देखते हुए जिलाधिकारी महोदय से फ्लाओवर/ अंडरपास बनवाने की मांग किया। इस मौके प्रमुख रूप से उपस्थित रहने वालों में कांग्रेस नेता मनोज मिश्रा , श्रीकांत मिश्रा ,युवा कांग्रेस के जिला उपाध्यक्ष सूरज वर्मा ,युवा कांग्रेस के ज़िला महासचिव दयाराम प्रजापति ,राष्ट्रीय छात्र संगठन के जिला अध्यक्ष अंशु गुप्ता ,सोशल आउटरीच डिपार्टमेंट के ज़िला अध्यक्ष सुशील राव उपस्थित रहे ।

पुष्प कुछ देकर एडिशनल एसपी मुख्यालय की हुई विदाई

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। जनपद सोनभद्र में अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय सोनभद्र के पद पर नियुक्त रहे कालू सिंह का स्थानान्तरण अपर पुलिस अधीक्षक जनपद ललितपुर होने पर रिजर्व पुलिस लाईन चुर्क

जनपद सोनभद्र में विदाई समारोह आयोजित किया गया तथा फूलमाला पहनाकर उनके उज्जवल भविष्य के लिये उन्हे शुभकामनायें दी गयी । समारोह में उपस्थित अधिकारीगण द्वारा जनपद में नियुक्ति के दौरान कालू सिंह द्वारा कर्तव्यों के निर्वहन हेतु किये गये सराहनीय प्रयासों की प्रशंसा की गयी । इस मौके पर पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा द्वारा उन्हे स्मृति चिन्ह भी भेंट किया गया। उक्त अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक ऑपरेशन त्रिभुवन नाथ त्रिपाठी,समस्त क्षेत्राधिकारी डॉ चारू द्विवेदी, रणधीर मिश्रा, राहुल पांडे, प्रदीप सिंह चंदेल, अमित कुमार ,राज सोनकर प्रतिसार निरीक्षक सोनभद्र सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारीगण मौजूद रहे ।

थाना पिपरी पुलिस द्वारा चोरी के प्रकरण में 01 नफर अभियुक्त गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अशोक कुमार मीणा के निर्देशन में व क्षेत्राधिकारी पिपरी के कुशल नेतृत्व में जनपद सोनभद्र में चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने व चोरी की घटनाओं का शीघ्र अनावरण व उसमें संलिप्त अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना पिपरी पुलिस द्वारा थाना पिपरी पर पंजीकृत मु0अ0सं0-89/2025 धारा- 303(2), 317(2) ँए से सम्बन्धित अभियुक्ता सुमन पटेल पत्नी संजय पटेल निवासी ग्राम भैसवार थाना घोरावल जनपद सोनभद्र उम्र करीब 40 वर्ष को कल दिनांक- 18.05.2025 को समय करीब 15.30 बजे प्राइवेट बस स्टैण्ड रेनुकूट मार्केट से ईंन्न्-3099 के कर्मचारीगण की मदद से गिरफ्तार किया गया। अभियुक्ता के कब्जे से 01 अदद अंगूठी सोने की, 01 अदद लाकेट सोने का कुल वजन करीब 02.06 ग्राम (कीमत करीब 22,000/- रूपया) व 500/- रूपया नगद बरामद कर, अभियुक्ता को मा0 न्यायालय भेजा गया। कब्जे से चोरी की 01 अदद अंगूठी सोने की, 01 अदद लाकेट सोने का कुल वजन करीब 2.06 ग्राम (कीमत करीब 22,000/- रूपया) व 500/- रूपया नगद किया गया बरामद। **गिरफ्तार अभियुक्ता का विवरण-** सुमन पटेल पत्नी संजय पटेल निवासी ग्राम भैसवार थाना घोरावल जनपद सोनभद्र उम्र करीब 40 वर्ष **बरामदगी का विवरण-** 01 अदद अंगूठी सोने की, 01 अदद लाकेट सोने का कुल वजन करीब 2.06 ग्राम (कीमत करीब 22,000/- रूपया) व 500/- रूपया नग **गिरफ्तारी करने वाली टीम का विवरण-** 1. प्रभारी निरीक्षक नागेश कुमार सिंह थाना पिपरी जनपद सोनभद्र। 2. हे0का0 अंगद सिंह यादव ईंन्न्-3099 थाना पिपरी जनपद सोनभद्र। 3. हे0का0 चालक विनय कुमार ईंन्न्-3099 थाना पिपरी जनपद सोनभद्र। 4. म0का0 अनीता यादव ईंन्न्-3099 थाना पिपरी जनपद सोनभद्र।

थाना पिपरी पुलिस को मिली बड़ी सफलता, 01 नफर अभियुक्त को गिरफ्तार कर कब्जे से 01 किलो 200 ग्राम अवैध गांजा किया गया बरामद

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र।पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अशोक कुमार मीणा के निर्देशन में जनपद में मादक पदार्थों की तस्करी के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के अन्तर्गत अपर पुलिस अधीक्षक ऑपरेशन व क्षेत्राधिकारी पिपरी के निकट पर्यवेक्षण/नेतृत्व में थाना पिपरी पुलिस द्वारा दिनांक 18.05.2025 को समय करीब 23.33 बजे वी मार्ट के पास पुलिया से आगे तथा धरिकार बस्ती से पहले, रेनुकूट से 01 नफर अभियुक्त विनोद कुमार पुत्र रामसागर निवासी धनसिरिया थाना राजगढ़ जनपद मिर्जापुर उम्र करीब 37 वर्ष को गिरफ्तार कर कब्जे से 01 किलो 200 ग्राम अवैध नाजायज गांजा बरामद कर थाना पिपरी पर मु0अ0सं0- 90/2025 धारा- 8/20 एनडीपीएस एक्ट का अभियोग पंजीकृत कर अभियुक्त विनोद कुमार उपरोक्त को मा0 न्यायालय भेजा गया। **नाम पता अभियुक्त-** विनोद कुमार पुत्र रामसागर निवासी धनसिरिया थाना राजगढ़ जनपद मिर्जापुर उम्र करीब 37 वर्ष। **बरामदगी का विवरण-** अभियुक्त के कब्जे से 01 किलो 200 ग्राम नाजायज गांजा बरामद। **गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम का विवरण-** 1. प्रभारी निरीक्षक नागेश कुमार सिंह थाना पिपरी जनपद सोनभद्र। 2. उ0नि0 राजेश जी चौबे चौकी प्रभारी रेनुकूट थाना पिपरी जनपद सोनभद्र। 3. हे0का0 शिव बदन राम चोकी रेनुकूट थाना पिपरी जनपद सोनभद्र। 4. का0 आशीष कुमार चौकी रेनुकूट थाना पिपरी जनपद सोनभद्र।

संगठन से निष्कासित पदाधिकारी भेज रहे फर्जी पत्रःयोगेश

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। प्राथमिक शिक्षक संघ अध्यक्ष योगेश कुमार ने बताया कि विगत दिनों शिक्षकों द्वारा पता चला है कि जिले में फ़र्ज़ी पत्र के भेजा जा रहा है जिसमें उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष द्वारा यह अवगत कराया गया कि जो उमाशंकर सिंह महामंत्री व विश्वनाथ सिंह अध्यक्ष लिखकर फर्जी पत्र घुमा रहे हैं । उन्हें संगठन विरोधी गतिविधियों एवं अनुशासनहीनता में कई महीने पहले ही संगठन से निष्कासित किया जा चुका है जल्द ही प्रदेश स्तर से कठोर कार्यवाही भी होनी है ।अध्यक्ष को हटाने का महामंत्री के पास कोई वीटों पावर नहीं होता ये लोग लगातार फर्जी बैठक व फर्जी पत्र जारी करके प्रदेश के शिक्षकों को भ्रमित कर रहे है। संगठन शिक्षक व संघ पदाधिकारियों को सजग करता है कि ऐसे फर्जी लोगों पर ध्यान न दें। ये लोग न ही शिक्षकों के हितैषी है न ही संगठन

उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ

के। सावधान रहें सतर्क रहें। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ सोनभद्र के जिलाध्यक्ष योगेश कुमार पांडेय ने बताया कि कुछ दिनों से ये लोग संगठन विरोधी गतिविधियों में लगे हुए थे जिसमें ये लोग एक ऐसा एवं कुछ बाहरी संगठन के लोगों के साथ मिलकर गलत तरीके से मीटिंग आयोजित करके लोगों को भ्रमित करके संगठन को कमजोर करने का प्रयास कर रहे थे तभी प्रदेश अध्यक्ष ने एक तत्कालीन सभी ऊपसेत्ने की ऑनलाइन मीटिंग बुलाई और इन लोगों के करतूतों के बारे में बताया तब सभी को पता चला कि इन लोगो को तो पूर्व में ही संगठन विरोधी गतिविधियों में संलिप्तता व असक्रियता होने के कारण प्रदेश कार्यकारिणी से हटाया जा चुका हैऔर इनकी सदस्यता भी समाप्त कर दी गयी है।तब लगभग 65 ज़िलों के जिलाध्यक्षों ने एक सुर में कहा कि इनके ऊपर कठोर कार्यवाही करनी चाहिए जिससे आगे कोई भी पदाधिकारी इस तरह का कृत्य करने की चेष्टा न करे। इसलिये सभी शिक्षक साथी व संघ पदाधिकारी सचेत व सतर्क रहें।

छोटी-मोटी बातों व गलत फहमियों को समझा-बुझाकर कराया जा रहा एक

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। अशोक कुमार मीणा, पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार जनपद में मिशन शक्ति नारी सुरक्षा, नारी सम्मान, नारी स्वावलम्बन के क्रम में रविवार को महिला थाना रॉबर्ट्सगंज पर आयोजित परामर्श केन्द्र में थानाध्यक्ष महिला थाना, सविता सरोज मय टीम द्वारा महिला थाना रॉबर्ट्सगंज में पति-पत्नी के बीच चल रहे विवाद के संम्बंध में 06 वैवाहिक जोड़ों की काउंसलिंग की गयी जिसमें से 03 जोड़ा पति-पत्नी की समस्याओं को सुनते हुए उन्हें सुलझाया गया जिससे पति-पत्नी राजी-खुशी से आपस में एक साथ रहने के लिए सहमत होकर घर गए, अन्य 03 प्रकरण में अग्रिम तिथि नियत की गयी । काउंसलिंग के दौरान महिला थानाध्यक्ष द्वारा परामर्श केन्द्र में आये दम्पतियों की पारिवारिक सम्बंधी प्रकरणों में उनकी काउंसलिंग की गयी तथा पति-पत्नी को आपस में विवाद को खत्म कर सुलह-समझौता कराते हुए साथ में रहने हेतु प्रेरित किया ।

स्पोर्ट्स

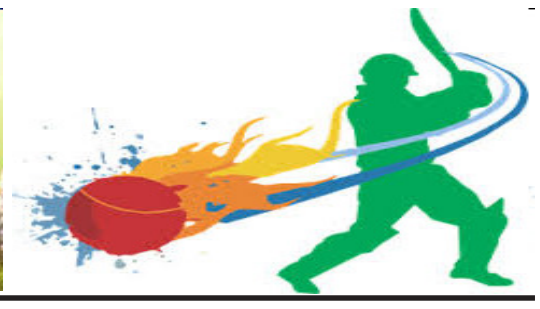

गुजरात की जीत के साथ आरसीबी और पंजाब भी प्लेऑफ में पहुंचीं, सुदर्शन-गिल के बीच रिकॉर्ड साझेदारी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में दिल्ली ने केएल राहुल की शतकीय पारी के दम पर 20 ओवर में तीन विकेट खोकर 199 रन बनाए। जवाब में गुजरात टाइटंस ने निर्धारित ओवर में एक भी विकेट गंवाए बगैर 205 रन बनाए और 10 विकेट से मुकाबला अपने नाम कर लिया। 200 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी गुजरात को साई सुदर्शन और शुभमन गिल ने अच्छी शुरुआत दिलाई और अंत तक लय बरकरार रखी। दोनों के बीच 205 रनों की नाबाद साझेदारी हुई। यह किसी भी ओपनिंग जोड़ी के द्वारा निभाई गई तीसरी सबसे बड़ी साझेदारी है। इससे पहले गिल और सुदर्शन ने आईपीएल 2024 में 210 रन की साझेदारी निभाई थी। लक्ष्य का पीछा करते हुए यह गुजरात का दूसरा सबसे सफल रन चेज है।इस मुकाबले में साई सुदर्शन ने 61 गेंदों में 108 रनों की नाबाद पारी खेली जबकि शुभमन गिल 93 रनों की नाबाद पारी खेलने में कामयाब हुए। सुदर्शन ने 56 गेंदों में अपने आईपीएल करियर का दूसरा शतक जड़ा। वहीं, गिल ने सत्र का छठा अर्धशतक जड़ा। इस मैच में गुजरात के कप्तान ने शानदार प्रदर्शन के साथ टी20 में 5000 रन पूरे कर लिए। उन्होंने 154 पारियों में यह कारनामा किया। इस मैच में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी दिल्ली की शुरुआत झटके के साथ हुई थी। फाफ डुप्लेसिस सिर्फ पांच रन बनाए। इसके बाद सलामी बल्लेबाज केएल राहुल को अभिषेक पोरेल का साथ मिला।

दोनों के बीच दूसरे विकेट के लिए 52 गेंदों में 90 रनों की साझेदारी हुई। पोरेल को साई किशोर ने अपना शिकार बनाया। वह 19 गेंदों में 30 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद अक्षर पटेल क्रीज पर आए और कुछ अच्छे शॉट्स खेलकर 25 रन बनाए और पवेलियन लौट गए। गुजरात के खिलाफ केएल राहुल ने अपने करियर का पांचवां शतक जड़ा। वह 65 गेंदों में 112 रन बनाकर नाबाद रहे। इसके अलावा ट्रिस्टन स्टब्स ने 21 रनों का निजी स्कोर तैयार किया।

अल्कारेज ने सिनर को हराकर इटैलियन ओपन का खिताब जीता

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। पिछले साल की शुरुआत से लेकर अब तक अल्कारेज ही एकमात्र टेनिस खिलाड़ी हैं जिन्होंने सिनर को एक से ज्यादा बार हराया है। वह अब तक लगातार चार बार ऐसा कर चुके हैं। दुनिया में मौजूदा समय वह अब तक लगातार चार बार ऐसा कर चुके हैं। फोरो इटालिको कोर्ट में सिनर के घरेलू प्रशंसकों के सामने स्पेन के अल्कारेज की जीत ने बताया कि क्यों उन्हें आने वाले समय का चैंपियन माना जाता है। इसी के साथ सिनर के लगातार 26 मैचों में जीत का सिलसिला

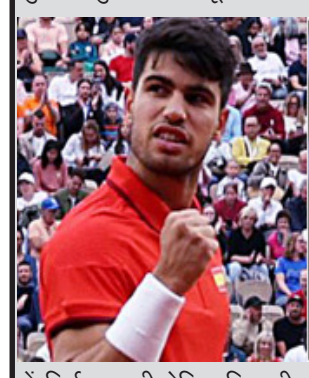

में सिर्फ एक ही टेनिस खिलाड़ी है जो शीर्ष वरीय यानिक सिनर को पुरुष एकल में लगातार शिकस्त दे रहा है। इस खिलाड़ी का नाम है कार्लोस अल्कारेज। रविवार को भी इटैलियन ओपन टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में अल्कारेज ने सिनर को 7-6 (5), 6-1 से हरा दिया। इसी के साथ अल्कारेज ने अपना पहला इटैलियन ओपन का खिताब जीत लिया। इस जीत के साथ ही अल्कारेज ने क्ले-कोर्ट का एक बड़ा खिताब अपने नाम किया। अब वह आगामी फ्रेंच ओपन जीतने के लिए पसंदीदा माने जा रहे हैं। पिछले साल की शुरुआत से लेकर अब तक अल्कारेज ही एकमात्र टेनिस खिलाड़ी हैं जिन्होंने सिनर को एक से ज्यादा बार हराया है। भी टूट गया। सिनर अक्तूबर से लगातार जीतते आ रहे थे। इस मैच से पहले पिछली बार उन्हें चाइना ओपन में हार मिली थी और तब भी अल्कारेज ने उन्हें फाइनल में तीसरे सेट के टाईब्रेकर में हराया था। अल्कारेज और सिनर के बीच अब तक 11 मुकाबले खेले गए हैं और स्पैनिश खिलाड़ी ने सात और सिनर ने चार मैच जीते हैं। इटैलियन ओपन का खिताब नहीं जीत पाने के बाद सिनर थोड़े निराश दिखे। हालांकि, तीन महीने के डोपिंग प्रतिबंध के बाद यह उनका पहला टूर्नामेंट था। वहीं, अल्कारेज ने अगले रविवार से शुरू होने वाले फ्रेंच ओपन में अपने खिताब का बचाव करने के लिए पसंदीदा के रूप में अपनी स्थिति को भी मजबूत किया।

टूर्नामेंट में हिस्सा लेने के लिए भारत के सामने गिड़गिड़ाया पाकिस्तान, पीएचएफ को सता रहा यह डर

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। पीएचएफ के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि एशिया कप पाकिस्तान के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह अगले साल नीदरलैंड और बेल्जियम में होने वाले पुरुष विश्व कप के लिए क्वालिफाइंग टूर्नामेंट है। अगर पाकिस्तान नहीं खेलता है तो उनके लिए विश्व कप के लिए क्वालिफाई करना बेहद मुश्किल हो जाएगा।पाकिस्तान हॉकी महासंघ (पीएचएफ) चाहता है कि एशियाई हॉकी महासंघ (एएचएफ) भारत में 27 अगस्त से सात सितंबर तक होने वाले एशिया कप में भाग लेने के लिए उसके दल के लिए वीजा की गारंटी दे। यह जानकारी पीएचएफ के एक अधिकारी ने दी। पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद दोनों देशों के बीच तनाव के कारण राजगीर (बिहार) में होने वाले टूर्नामेंट में पाकिस्तान की भागीदारी गंभीर संदेह में है और हॉकी इंडिया (एचआई) ने कहा है कि वह इस मामले पर सरकार के परामर्श का इंतजार कर रहे हैं।हॉकी इंडिया के महासचिव भोलानाथ सिंह ने कहा, 'अभी कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी, लेकिन हम इस मुद्दे पर सरकार के निर्देशों का पालन करेंगे, जैसा कि पहले भी होता रहा है। हाल ही में पहलगाम में हुए बर्बर हमले और उसके बाद भारत द्वारा चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर के बाद हम अभी कुछ भी भविष्यवाणी नहीं कर सकते हैं।'पीएचएफ के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि एशिया कप पाकिस्तान के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह अगले साल नीदरलैंड और बेल्जियम में होने वाले पुरुष विश्व कप के लिए क्वालिफाइंग टूर्नामेंट है। अधिकारी ने कहा, 'हम एशिया कप के जरीये विश्व कप में जाने का अवसर नहीं खोना चाहते हैं। इसलिए हमारा मानना है कि इसका एक समाधान यह हो सकता है कि इस आयोजन को भारत से स्थानांतरित कर दिया जाए या एएचएफ हमारी टीम के लिए वीजा की गारंटी दे।'पीएचएफ को सता रहा डरपीएचएफ अधिकारी ने कहा कि 2026 की शुरुआत में विश्व कप क्वालिफाइंग टूर्नामेंट होंगे, लेकिन एशिया कप क्वालिफाई करने का अच्छा मौका है। पाकिस्तान 2023 में भारत में आयोजित पिछले विश्व कप के लिए क्वालिफाई नहीं कर पाया था। महाद्वीपीय टूर्नामेंट के 12वें सत्र में भारत, पाकिस्तान, जापान, कोरिया, चीन, मलेशिया, ओमान और चीनी ताइपे भाग लेने वाले हैं। पाकिस्तान को अगर भारत आने की अनुमति नहीं मिलती है, तो टूर्नामेंट का आयोजन सात टीमों या पाकिस्तान की जगह नई टीम के साथ हो सकता है। यह फैसला

अधिकारी ने कहा कि एशिया कप पाकिस्तान के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह अगले साल नीदरलैंड और बेल्जियम में होने वाले पुरुष विश्व कप के लिए क्वालिफाइंग टूर्नामेंट है। अधिकारी ने कहा, 'हम एशिया कप के जरीये विश्व कप में जाने का अवसर नहीं खोना चाहते हैं। इसलिए हमारा मानना है कि इसका एक समाधान यह हो सकता है कि इस आयोजन को भारत से स्थानांतरित कर दिया जाए या एएचएफ हमारी टीम के लिए वीजा की गारंटी दे।'पीएचएफ को सता रहा डरपीएचएफ अधिकारी ने कहा कि 2026 की शुरुआत में विश्व कप क्वालिफाइंग टूर्नामेंट होंगे, लेकिन एशिया कप क्वालिफाई करने का अच्छा मौका है। पाकिस्तान 2023 में भारत में आयोजित पिछले विश्व कप के लिए क्वालिफाई नहीं कर पाया था। महाद्वीपीय टूर्नामेंट के हालांकि पूरी तरह से एशियाई हॉकी महासंघ के हाथों में होगा। इससे पहले 2016 में पठानकोट 'एयर बेस' पर आतंकवादी हमले के कुछ महीने बाद भारत में आयोजित जूनियर विश्व कप में पाकिस्तान ने हिस्सा नहीं लिया था। इस टूर्नामेंट में मलयेशिया ने पाकिस्तानी टीम की जगह ली थी।हॉकी इंडिया के एक सूत्र ने कहा, 'सरकार अगर पाकिस्तान की टीम को भारत यात्रा करने की मंजूरी नहीं देती है तो वह भारत नहीं आएगा। यह सब उस समय सरकार की स्थिति पर निर्भर करता है।' अधिकारी ने गोपनीयता की शर्त पर कहा, 'अभी यह अनुमान लगाना बहुत मुश्किल है कि ऐसी स्थिति में कोई नयी टीम शामिल की जाएगी या यह सात टीमों का टूर्नामेंट होगा। एशियाई हॉकी महासंघ इस पर फैसला लेगा।

बोर्डो चैलेंजर का खिताब नहीं जीत सकी भांबरी-गैलोवे की जोड़ी, कैब्राल-मिडलर ने दी मात

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। भांबरी और गैलोवे से फाइनल में शानदार प्रदर्शन की उम्मीद थी, लेकिन दूसरी वरीयता प्राप्त इस जोड़ी को हार का सामना करना पड़ा।भारत के युकी भांबरी और अमेरिका के उनके जोड़ीदार रॉबर्ट गैलोवे रविवार को बोर्डो में एटीपी चैलेंजर स्पर्धा के रोमांचक खिताबी मुकाबले की चुनौती से निपटने में नाकाम रहे और खिताब जीतने से चूक गए। भांबरी और गैलोवे से फाइनल में शानदार प्रदर्शन की उम्मीद थी, लेकिन दूसरी वरीयता प्राप्त इस जोड़ी को हार का सामना करना पड़ा। भारतीय और अमेरिकी खिलाड़ियों की जोड़ी पुर्तगाल के फ्रांसिस्को कैब्राल और ऑस्ट्रिया के लुकास मिडलर की चौथी वरीयता प्राप्त जोड़ी से 6-7(1), 6-7(2) से हार गई। इससे पहले, भांबरी और गैलोवे की जोड़ी ने सेमीफाइनल में राफेल माटोस और मार्सेलो मेलो की तीसरी वरीय ब्राजीली जोड़ी को हराया था। भारत के एन श्रीराम बालाजी और सुमित नागल इस क्ले कोर्ट टूर्नामेंट का हिस्सा थे लेकिन वे अपने-अपने मुकाबलों में अलग-अलग चरणों में हार गए।

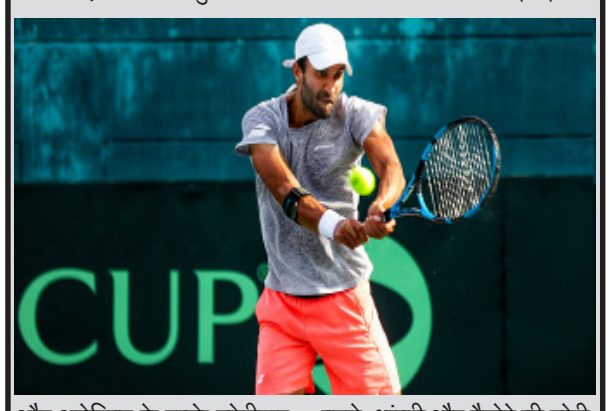

ट्रेविस हेड कोरोना वायरस से पीड़ित हुए, लखनऊ के खिलाफ नहीं खेलेंगे; कोच विटोरी ने दी जानकारी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। विटोरी ने कहा कि हेड सोमवार सुबह भारत पहुंचेंगे और टीम का मेडिकल स्टाफ उनकी आगे की जांच करेगा। सनराइजर्स के कोच ने इस बारे में जानकारी नहीं दी है कि कब और कहां हेड कोरोना वायरस से पीड़ित हुए। सनराइजर्स हैदराबाद के विस्फोटक सलामी बल्लेबाज ट्रेविस हेड कोरोना वायरस से पीड़ित हो गए हैं और वह सोमवार को लखनऊ सुपर जाएंट्स के खिलाफ होने वाले मैच में नहीं खेल पाएंगे। सनराइजर्स के मुख्य कोच डेनियल विटोरी ने रविवार को हेड के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि हेड की भारत वापसी में देरी हुई है क्योंकि वह कोविड-19 के संपर्क में आ गए हैं। सनराइजर्स के कोच ने इस बारे में जानकारी नहीं दी है कि कब और कहां हेड कोरोना वायरस से पीड़ित हुए। विटोरी ने कहा कि हेड सोमवार सुबह भारत पहुंचेंगे और टीम का मेडिकल स्टाफ उनकी आगे की जांच करेगा। विटोरी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, हेड कल सुबह आ रहे हैं, उन्हें आने में देरी हो गई थी। दरअसल उन्हें कोविड था, इसलिए वे यात्रा नहीं कर सके, इसलिए वे कल सुबह आएंगे और उसके बाद हम उनकी स्थिति का आकलन करेंगे।हैदराबाद की टीम पहले ही प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो चुकी है और वह ग्रुप चरण में अपना आखिरी मैच 25 मई को खेलेगी। हैदराबाद के इस सीजन तीन मैच शेष हैं। लखनऊ के बाद उसे आरसीबी और केकेआर के खिलाफ मुकाबला खेलना है। हेड अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी के लिए जाने जाते हैं, लेकिन इस सीजन उनका बल्ला कुछ खास नहीं चला। उन्होंने 11 मैचों में 281 रन बनाए। वहीं, पिछले सीजन उन्होंने 15 मैचों में 567 रन बनाए थे।

मनिका और मानव का विश्व टेबल टेनिस चैंपियनशिप में जलवा बरकरार, दोनों दूसरे दौर में पहुंचे

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। 22वीं वरीयता प्राप्त मनिका ने महिला एकल मुकाबले में नाइजीरिया की फातिमा बेलो पर 4-0 (11-5, 11-6, 11-8, 11-2) से शानदार जीत दर्ज की। यह मुकाबला सिर्फ 24 मिनट तक चला। भारत की स्टार टेबल टेनिस खिलाड़ी मनिका बत्रा ने रविवार को यहां सीधे गेम में जीत के साथ विश्व चैंपियनशिप के दूसरे दौर में प्रवेश किया जबकि मानव ठक्कर ने भी अपने एकल अभियान की आत्मविश्वास से भरी शुरुआत की। 22वीं वरीयता प्राप्त मनिका ने महिला एकल मुकाबले में नाइजीरिया की फातिमा बेलो पर 4-0 (11-5, 11-6, 11-8, 11-2) से शानदार जीत दर्ज की। यह मुकाबला सिर्फ 24 मिनट तक चला। अंतिम 64 दौर में उनके सामने कोरिया की पार्क गाहियोन की चुनौती होगा। भारत के शीर्ष वरीयता प्राप्त पुरुष एकल खिलाड़ी मानव ठक्कर ने भी शानदार शुरुआत करते हुए पहले दौर में न्यूजीलैंड के टिमोथी चोई को 4-1 (11-3, 11-8, 6-11, 11-7, 14-12) से हराया। 18 साल के अंकुर भट्टाचार्जी का सफर हालांकि शुरुआती दौर में खत्म हो गया। वह पुरुष एकल में हांगकांग के लैम सियू हैंग से 1-4 (11-4, 7-11, 9-11, 10-12, 8-11) से हार गये युगल मुकाबले में नौवीं वरीयता प्राप्त मानुष शाह और दीया चिताले की जोड़ी ने अल्जीरिया के मेहदी बौलोसा और मालिसा नासरी पर 3-0 (11-2, 11-7, 11-6) से एकतरफा जीत दर्ज की। हरमीत देसाई और जी साथियान की पुरुष युगल जोड़ी को हालांकि ऑस्ट्रिया के मैसीज कोलोडिजिक और मोल्दोवा के व्लादिस्लाव उर्सु से 1-3 (9-11, 12-10, 14-16, 10-12) से हार का सामना करना पड़ा। देसाई को मिश्रित युगल में भी यशस्विनी घोरपड़े के साथ मिलकर हार का सामना करना पड़ा। 14वीं वरीयता प्राप्त भारतीय जोड़ी फ्रांस के थिबॉल्ट पोरेट और लीना होचार्ट के खिलाफ 2-0 की बढ़त का फायदा उठाने में विफल रही। भारतीय जोड़ी ने तीन मैच प्वाइंट भी गंवाते हुए 2-3 (11-8, 11-6, 10-12, 8-11, 10-12) से हार गई।

राशि फल

कुछ कार्य जिसकी पिछले कुछ दिनों से प्लानिंग चल रही है, आज शुरू हो सकता है, जिससे आपको आर्थिक स्थिति में लाभ होगा। व्यापार-व्यवसाय में परिवर्तन की योग बन रहे हैं	आज का दिन अच्छा है। परिवार में कोई नया सदस्य आ सकता है। आपके स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव देखने को मिलेगा। व्यापार आदि में सहयोगी पार्टनर के माध्यम से आय के नए स्रोत बनेंगे	किसी कार्य विशेष को लेकर आज यात्रा आदि पर बाहर जा सकते हैं। यात्रा में सावधानी बरतें, नहीं तो आपको नुकसान हो सकता है। साथ ही परिवार में किसी अपने के स्वास्थ्य से आप चिंतित रह सकते हैं।	आज आप व्यर्थ की भागदौड़ से परेशान हो सकते हैं। आपका मन अशांत रहेगा। कार्य की अधिकता के कारण थकावट आदि महसूस होगी।
आज आप मानसिक रूप से उलझे रहेंगे। किसी बात को लेकर परिवार में परेशानी बढ़ सकती है, लेकिन आप अपनी कुशलता से उसे हल करने में सफल होंगे। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।	नौकरी आदि के लिए यदि प्रयास कर रहे है तो, आज आपको सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य आपका ठीक रहेगा, परंतु परिवार में माता-पिता का स्वास्थ्य बिगड़ सकता है।	आज आपका कोई महत्वपूर्ण कार्य न होने से आप मानसिक तौर से परेशान रह सकते है। आर्थिक स्थिति के कारण आपको किसी से मदद मांगनी पड़ सकती है। व्यापार-व्यवसाय में भी इस समय गिरावट महसूस होगी।	आज आप पतने के स्वास्थ्य को लेकर कुछ परेशान रहेंगे। परिवार के लोग सहयोग करेंगे। व्यापार-व्यवसाय में अपने साथियों के विरोध के कारण आपको बड़ा नुकसान हो सकता है।
स्वास्थ्य को लेकर आप परेशान हो सकते हैं। साथ ही नौकरी आदि में अधिकारी वर्ग से मतभेद बढ़ने से आपकी परेशानी बढ़ेगी।	आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहेगा। किसी अपने के द्वारा आपको कार्यक्षेत्र में बड़ा काम मिल सकता है, जिस कारण मन प्रसनन रहेगा।	आत्मविश्वास में कमी रहेगी। मानसिंक शांति रहेगी लेकिन असंतोष भी रहेगा। परिवार में शांति बनी रहेगी। पिता का सहयोग मिलेगा।	मान-सम्मान बढ़ेगा। नौकरी में पदोन्नति के योग हैं। आत्मविश्वास बन रहेगा। शिक्षा से जुड़े काम सफल होंगे।

बारिश में मैच धुलने के बाद आरसीबी ने लिया अहम फैसला, दर्शकों को टिकट का पूरा पैसा वापस मिलेगा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। आरसीबी ने दर्शकों को हुई असुविधा के बाद यह फैसला लिया है कि वह इस मैच के लिए टिकट लेने वाले दर्शकों को पूरा पैसा वापस देगी। जिन प्रशंसकों ने ऑनलाइन के जरिये टिकट ली थी उन्हें ऑरिजिनल पेमेंट सोर्स के जरिये 10 कार्य दिवस के अंदर पूरा पैसा वापस मिल जाएगा।रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के साथ उसका मैच बारिश में धुलने के बाद अहम फैसला लिया है। आरसीबी ने बताया है कि वह इस दर्शकों को टिकट का पूरा पैसा वापस देगी। आरसीबी और केकेआर के बीच शनिवार को बंगलूरू के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में मुकाबला होना था, लेकिन बारिश के कारण मैच में टॉस भी नहीं हो सका और अंत में मुकाबला रद्द करना पड़ा था। आरसीबी ने दर्शकों को हुई असुविधा के बाद यह फैसला लिया है कि वह इस मैच के लिए टिकट लेने वाले दर्शकों को पूरा पैसा वापस देगी। जिन प्रशंसकों ने ऑनलाइन के जरिये टिकट ली थी उन्हें ऑरिजिनल पेमेंट सोर्स के जरिये 10 कार्य दिवस के अंदर पूरा पैसा वापस मिल जाएगा। आरसीबी ने अपने सोशल मीडिया पर पोस्ट में लिखा, '17 मई को आरसीबी और केकेआर के बीच मैच खराब मौसम के कारण रद्द कर दिया गया था, इसलिए सभी वैध टिकट धारक पूर्ण धनवापसी के पात्र हैं। डिजिटल टिकट धारकों को टिकट बुक करने के लिए इस्तेमाल किए गए उनके मूल खाते में 10 कार्य दिवसा के भीतर धनवापसी जारी की जाएगी।' वहीं, जिन प्रशंसकों ने काउंटर के जरिये टिकट ली थी उन्हें अपनी टिकट लौटानी होगी जिससे उन्हें धनराशि वापस दी जाएगी। मुकाबला रद्द होने के बाद दोनों टीमों को एक-एक अंक दे दिए गए थे। आरसीबी 17 अंकों के साथ अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंच गई थी, जबकि गत चैंपियन केकेआर 12 अंकों के साथ छठे पायदान पर है। हालांकि, उसका सफर समाप्त हो गया। वह चौथी टीम है जिसका सफर ग्रुप चरण में थम गया है। वहीं, आरसीबी ने प्लेऑफ के लिए मजबूत कदम बढ़ा लिए थे। आरसीबी को प्लेऑफ में क्वालिफाई करने के लिए अब एक मैच जीतने की जरूरत है। मुकाबला रद्द होने के बाद दोनों टीमों को एक-एक अंक दे दिए गए थे। आरसीबी 17 अंकों के साथ अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंच गई थी, जबकि गत चैंपियन केकेआर 12 अंकों के साथ छठे पायदान पर है। हालांकि, उसका सफर समाप्त हो गया। वह चौथी टीम है जिसका सफर ग्रुप चरण में थम गया है। वहीं, आरसीबी ने प्लेऑफ के लिए मजबूत कदम बढ़ा लिए थे। आरसीबी को प्लेऑफ में क्वालिफाई करने के लिए अब एक मैच जीतने की जरूरत है।

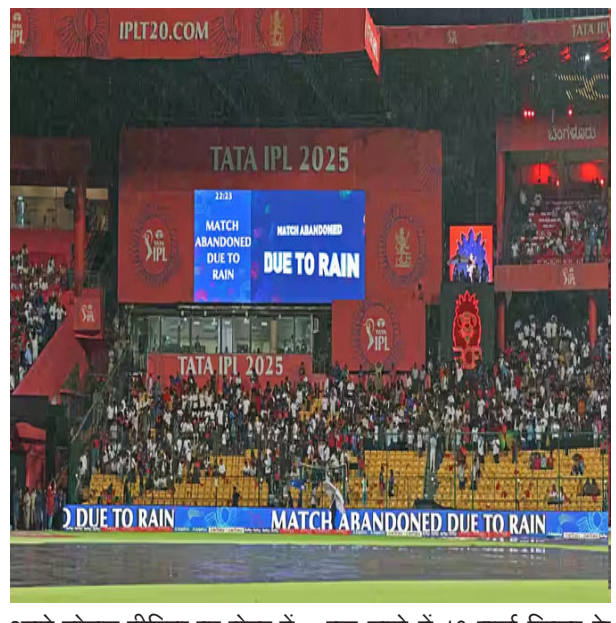

सम्पादकीय

रोहिंग्या घुसपैठ, राष्ट्रीय सुरक्षा से खिलवाड़ कब तक

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। कुछ लोग किस तरह राष्ट्रीय हितों पर चोट करने वाली जनहित याचिकाओं के सहारे सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाते हैं, इसका ताजा उदाहरण है वह याचिका, जिसमें यह मांग की गई कि रोहिंग्याओं को निष्कासित न किया जाए। इस मांग पर जोर देने के लिए यह फर्जी कहानी गढ़ी गई कि रोहिंग्याओं को जबरन निकाला जा रहा है और उन्हें लाइफ जैकेट देकर समुद्र में छोड़ दिया जा रहा

है। सुप्रीम कोर्ट ने यह याचिका दायर करने वालों को जमकर फटकार लगाई, लेकिन क्या यह अच्छा नहीं होता कि उन पर जुर्माना भी लगाया जाता। आखिर ऐसी शरारतपूर्ण याचिका सुनी ही क्यों गई? यह याचिका देश की सुरक्षा के लिए खतरा बने रोहिंग्याओं के प्रति प्रेम को ही प्रदर्शित नहीं करती, बल्कि यह भी बताती है कि किस तरह कुछ लोग मानवता, सदाशयता की आड़ में भारत को धर्मशाला बनाना चाहते हैं। आखिर अवैध रूप से भारत आए रोहिंग्याओं को क्यों नहीं निकाला जाना चाहिए? इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि उन्हें अवैध रूप से भारत लाने और देश के अलग-अलग हिस्सों में बसाने वाले गिरोह सक्रिय हैं। बंगाल से लेकर दिल्ली तक में सक्रिय ये गिरोह रोहिंग्याओं के साथ बांग्लादेशियों को भी अवैध तरीके से देश में घुसाते हैं और फिर उन्हें असली-नकली भारतीय पहचान पत्रों से लैस करने लगते हैं। आखिर यह राष्ट्रीय सुरक्षा से किया जाने वाला खुला खिलवाड़ नहीं तो और क्या है यह सहज-सामान्य बात नहीं कि बंगाल और पूर्वोत्तर के कुछ राज्यों में घुसपैठ करके आए रोहिंग्याओं ने दिल्ली से लेकर जम्मू, हैदराबाद, चेन्नई तक में अपना ठिकाना बना लिया है। यह मानने के पर्याप्त कारण हैं कि उन्हें किसी साजिश के तहत देश के अलग-अलग हिस्सों में बसाया जा रहा है। कहना कठिन है कि देश में कितने अवैध रोहिंग्या रह रहे हैं। अवैध बांग्लादेशियों की संख्या जानना और भी कठिन है। अभी हाल में अकेले गुजरात में हजारों की संख्या में अवैध बांग्लादेशी पाए गए थे। यह पहली बार नहीं है, जब रोहिंग्याओं को देश में आने देने, रहने देने और उन्हें भारतीय नागरिकों की तरह सुविधाएं देने की वकालत की गई हो। इसके पहले भी इस तरह की कोशिश होती रही है। कुछ ही दिनों पहले कालिन गोंजाल्विस और प्रशांत भूषण ने एक याचिका में कुछ ऐसी ही मांग की थी, जिस पर सुप्रीम कोर्ट को यह कहना पड़ा था कि गैर-भारतीयों के साथ विदेशी अधिनियम के अनुसार व्यवहार किया जाएगा, भले ही उन्हें शरणार्थी का दर्जा मिला हो। भारत ने सदियों से दुनिया भर के सताए गए लोगों को शरण दी है, लेकिन आज की परिस्थितियां बिल्कुल अलग हैं। जो घुसपैठिए देश के संसाधनों पर बोझ बनने के साथ सुरक्षा के लिए खतरा बन गए हैं, उन्हें तो निकाल बाहर करना ही होगा।

क्या विज्ञान के पास कैंसर का कोई जवाब नहीं यह वाकई एक मुश्किल प्रश्न

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। लोगों को कैंसर क्यों होता है इसका जवाब लोग आज भी ढूंढ रहे हैं।आखिर हमारे शरीर

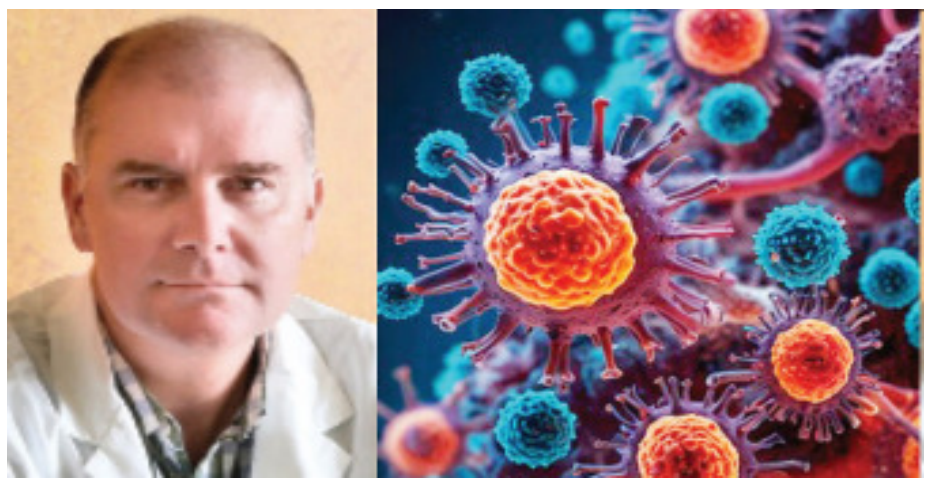

में कोशिकाओं की क्या अहम भूमिका होती है? बेकाबू कोशिका लाखों-करोड़ों कॉपियां बना लेती है। इससे एक ट्यूमर बन जाता है, जिससे शरीर के महत्वपूर्ण अंग काम करना बंद कर देते हैं। एक दिन में लाखों डीएनए कॉपी करने की वजह से कभी-कभी कोशिकाएं गलतियां कर बैठती हैं। इससे कोशिकाएं अनियंत्रित रूप से बढ़ने लगती हैं और ट्यूमर बन जाता है। इसे ही हम 'कैंसर' कहते हैं। यह वाकई एक मुश्किल प्रश्न है। बहुत सारे लोग इसका जवाब खोजने की कोशिश कर रहे हैं। कैंसर क्यों होता है, इसे समझने से पहले यह जानना जरूरी है कि कैंसर कैसे होता है? शरीर की रचना कोशिकाओं (सेल्स) से होती है। इन्सान के शरीर में सैकड़ों तरह की कोशिकाएं होती हैं, सभी का काम करने का खास तरीका होता है। ये कोशिकाएं हमारी त्वचा, मस्तिष्क, हड्डियां और दूसरे अंग बनाती हैं।कुछ कोशिकाएं (जैसे मस्तिष्क और हड्डी) कई वर्षों तक जीवित रहती हैं, जबकि कुछ जैसे, लाल रक्त कोशिकाएं, केवल कुछ हफ्तों तक जीवित रहती हैं। शरीर में, खरबों तारों से भी कहीं ज्यादा कोशिकाएं हैं! जैसे-जैसे हम बड़े होते हैं, शरीर नई कोशिकाएं बनाती रहती हैं। जब पुरानी कोशिकाएं मर जाती हैं, उनकी जगह नई कोशिकाएं ले लेती हैं। इससे शरीर स्वस्थ रहता है। कभी-कभी उन खरबों कोशिकाओं में से एक अनियंत्रित रूप से बढ़ने लगती है और मरती नहीं है।यह बेकाबू कोशिका बार-बार विभाजित होती है और अपनी लाखों-करोड़ों कॉपियां बना लेती है। इससे एक गांठ (ट्यूमर) बन सकती है। ये कोशिकाएं शरीर के सभी भागों में फैल सकती हैं, जिससे शरीर के महत्वपूर्ण अंग काम करना बंद कर सकते हैं, और मृत्यु भी हो सकती है। ये कोशिकाएं प्रतिलिपियां बनाने के लिए स्वयं को निर्देश देती हैं। ये निर्देश जीनोम नामक कोड में संग्रहीत होते हैं, जो डीएनए रसायन से बना होता है। इस डीएनए कोड को लिखने के लिए ए, सी, टी और जी वर्णमाला का उपयोग होता है। हर कोशिका में करीब छह अरब ऐसे अक्षर होते हैं, और जब कोशिका विभाजित होती है, तो इन सभी को बिल्कुल सही कॉपी करना पड़ता है। इसे ऐसे समझिए कि हैरी पॉटर की सारी किताबें हाथ से लिखकर एक हजार बार कॉपी करनी है। कोशिकाएं हर दिन लाखों बार ऐसा करती हैं! एक दिन में लाखों डीएनए कॉपी करने की वजह से कभी-कभी कोशिकाएं गलतियां कर बैठती हैं। इन गलतियों को हम 'म्यूटेशन' (उत्परिवर्तन) कहते हैं। कभी-कभी ये म्यूटेशन कोशिका के निर्देशों को बदल देते हैं, जिससे यह अनियंत्रित रूप से बढ़ने लगती है और ट्यूमर बन जाता है। इसे ही हम 'कैंसर' कहते हैं।बहुत ज्यादा धूप, कुछ रसायन (जैसे तंबाकू का धुआं), शराब, कुछ खाद्य पदार्थ और यहां तक कि कुछ वायरस भी डीएनए में म्यूटेशन होने की संभावना को बढ़ा सकते हैं। स्वस्थ जीवन-शैली अपनाकर आप कैंसर का खतरा कम कर सकते हैं, लेकिन इसे पूरी तरह से रोकना संभव नहीं है। हम निश्चित रूप से नहीं कह सकते कि किसी व्यक्ति को कैंसर क्यों होता है।

सर्वदलीय प्रतिनिधि, बेनकाब होगा पाकिस्तान

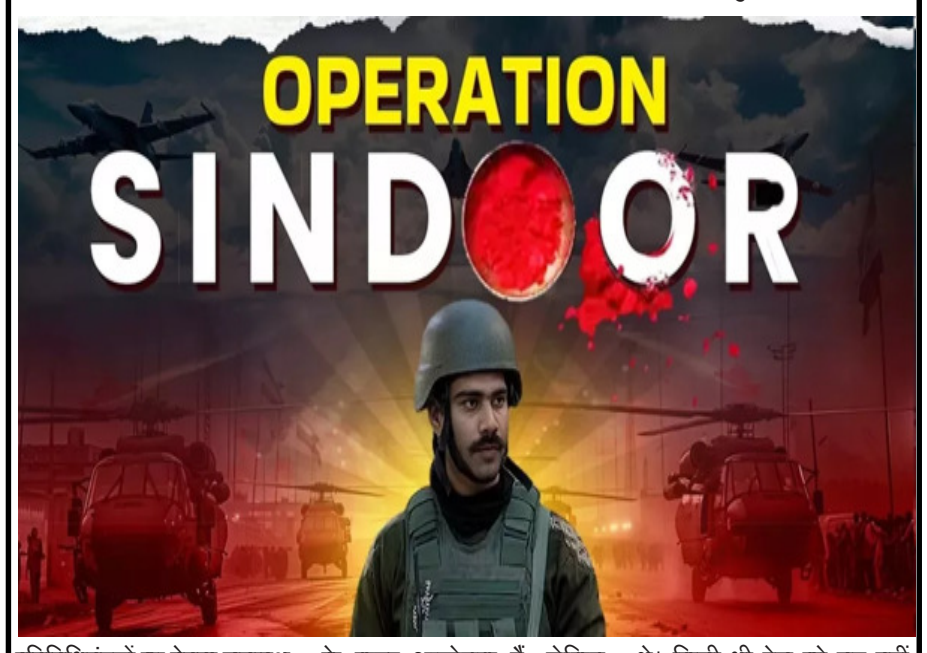

पहलगाम में भीषण आतंकी हमला कराने वाले पाकिस्तान को आपरेशन सिंदूर के जरिये पस्त करने के बाद भारत ने उसके आतंकी चेहरे को बेनकाब करने के लिए विश्व के प्रमुख देशों में सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल भेजने का जो निर्णय लिया, वह समय की जरूरत थी। इन सात प्रतिनिधिमंडलों का नेतृत्व सत्तापक्ष के साथ विपक्ष के नेता भी करेंगे। इन प्रतिनिधिमंडलों में पक्ष-विपक्ष के कई सांसद होंगे। अच्छा होगा कि प्रतिनिधिमंडलों का नेतृत्व करने और उनमें शामिल होने वाले नेताओं को लेकर कोई विवाद न पैदा होने दिया जाए। पाकिस्तान पोषित आतंकवाद के खिलाफ पक्ष-विपक्ष को एकजुट होना ही नहीं चाहिए, बल्कि दिखना भी चाहिए। सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडलों के लिए जो सांसद सर्वथा उपयुक्त माने जा रहे थे, उनमें शशि थरूर सबसे आगे थे, क्योंकि वह लंबे समय तक संयुक्त राष्ट्र में रहे हैं, कूटनीति के अच्छे जानकार हैं और उनकी विद्वता एवं वाकपटुता के उनके विरोधी भी कायल हैं। समझना कठिन है कि कांग्रेस ने उनका नाम प्रस्तावित करना आवश्यक क्यों नहीं समझा? सरकार ने उनका चयन करके बिल्कुल सही किया। बहुदलीय प्रतिनिधिमंडल में हैदराबाद के सांसद असदुद्दीन ओवैसी भी हैं। वह मोदी सरकार के कट्टर आलोचक हैं, लेकिन उन्होंने पहलगाम की आतंकी घटना और फिर आपरेशन सिंदूर को लेकर पाकिस्तान को जैसी खरी-खरी सुनाई, उससे उनके आलोचक भी दंग रह गए। उन्होंने अपने तीखे तेवरों से पाकिस्तान को बेनकाब करने के साथ देश के विपक्षी दलों के कई नेताओं को यह पाठ पढ़ाया कि दलगत हित के बजाय देशहित को कैसे प्राथमिकता दी जानी चाहिए। यह तो स्पष्ट है कि इन प्रतिनिधिमंडलों से देश में भी सकारात्मक वातावरण निर्मित होगा और आम लोग यह समझेंगे कि जब बात देश के हितों की हो तो हर तरह के मतभेद भुलाने होते हैं, लेकिन यह कहना कठिन है कि हमारे प्रतिनिधिमंडलों की बातों से दुनिया के प्रमुख देश कितना प्रभावित होंगे, क्योंकि वे इससे अनजान तो नहीं कि पाकिस्तान आतंकियों को पालने-पोसने वाला देश है और 9/11 हमले की साजिश रचने वाला लादेन एवं उसके कई गुर्गे वहीं पाले जा रहे थे। किसी भी देश को यह नहीं लगना चाहिए कि भारत अपनी पीड़ा बयान करने आया है, बल्कि उन्हें यह दो टूक संदेश जाना चाहिए कि यदि पाकिस्तान बाज नहीं आया तो आपरेशन सिंदूर जैसा फिर कुछ होगा और इसके लिए कहीं न कहीं वे भी जिम्मेदार होंगे। हमारे प्रतिनिधिमंडलों को यह भी कहना चाहिए कि भारत उनसे शांति और संयम का उपदेश सुनने के लिए तैयार नहीं। यह सही है कि एक समय नरसिंह राव सरकार ने अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार आयोग भेजा था।

पाकिस्तान के बुरी तरह मात खाने से बौखलाया चीन

भारत के साथ सैन्य टकराव में अपने सदाबहार दोस्त पाकिस्तान के बुरी तरह मात खाने से चीन किस तरह बौखलाया है, इसका पता इससे भी चला कि उसने अरुणाचल के 27 स्थानों के चीनी नाम दे दिए। इनमें आवासीय क्षेत्रों के साथ पहाड़ और नदियां भी हैं। यह ध्यान रहे कि वह अरुणाचल को पहले ही चीनी नाम दे चुका है। क्या यह हास्यास्पद नहीं कि पहले तो उसने अरुणाचल को चीनी नाम दिया और फिर उसके अलग-अलग क्षेत्रों का नया नामकरण करने में लगा हुआ है? साफ है कि वह खीझ मिटाने के लिए अपनी बचकानी हरकतों से भारत को उकसाना चाहता है। वह ऐसी हरकतें पहले भी करता रहा है। शायद उसने यह मुगालता पाल लिया है कि अरुणाचल के एक साथ 27 स्थानों को चीनी नाम देने से भारत दबाव में आ जाएगा।ऐसा तो बिल्कुल भी नहीं होने वाला और उलटे भारत को इस नतीजे पर पहुंचने में और आसानी होगी कि वह उतना ही धोखेबाज है, जितना पाकिस्तान। चीन ने पाकिस्तान को आपरेशन सिंदूर की तपिश से बचाने के लिए हरसंभव कोशिश की, लेकिन वह नाकाम रहा। दोयम दर्जे के चीनी हथियार पाकिस्तान के लिए मुसीबत बन गए और वह इतना असहाय हो गया कि उसे अमेरिका से गुहार लगानी पड़ी।चीन इसलिए और अधिक बौखलाया है, क्योंकि भारत ने उसके एयर डिफेंस सिस्टम, ड्रोन, मिसाइल आदि की इस कदर पोल खोल कर रख दी कि अब उसके लिए दुनिया के निर्धन देशों को अपने हथियार बेचना कठिन होगा। पाकिस्तान ने जिस चीनी मिसाइल का इस्तेमाल किया था, उसे भारत ने नाकाम कर दिया। इसके नतीजे में इस मिसाइल का निर्माण करने वाली चीनी कंपनी के शेयर लुढ़क गए।

झूठी सूचनाओं से भी लड़ना सीखना होगा, इंटरनेट मीडिया को जवाबदेह बनाने की जरूरत

यह पुरानी कहावत आज की डिजिटल दुनिया में और सटीक साबित होती है कि 'युद्ध में सबसे पहले सत्य की हत्या होती है।' अब युद्ध केवल सीमाओं पर नहीं लड़े जाते, बल्कि वाट्सएप, यूट्यूब, फेसबुक, इंस्टाग्राम और एक्स समेत अन्य अनेक डिजिटल मीडिया प्लेटफार्म्स पर भी लड़े जाते हैं। फर्जी खबरों को फैलाने का मकसद भारत की जनता में घबराहट, अविश्वास और भ्रम फैलाना था। अच्छी बात यह रही कि पीआइबी फैक्ट चेक जैसे सरकारी संस्थानों ने त्वरित कार्रवाई कर इन खबरों का खंडन किया।भारत ही नहीं, पूरी दुनिया में युद्ध के दौरान गलत और फर्जी सूचनाओं का इतिहास पुराना है। द्वितीय विश्व युद्ध में हिटलर की नाजी सरकार ने फिल्मों और रेडियो के माध्यम से दुष्प्रचार किया, जबकि मित्र राष्ट्रों ने नकली टैंकों और फर्जी योजनाओं से दुश्मन को गुमराह किया। रूस-यूक्रेन युद्ध के दौरान 2022 में एक डीपफेक वीडियो में यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की को आत्मसमर्पण की घोषणा करते हुए दिखाया गया। यह झूठा वीडियो फेसबुक पर अपलोड हुआ और कुछ ही समय में लाखों बार देखा गया।फोटोशाप, एआइ आदि के सहारे तैयार फर्जी सूचनाओं से लड़ने के लिए एक सामूहिक रणनीति की आवश्यकता है, जिसमें सरकार, इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म, मीडिया संस्थान और नागरिक सभी की भूमिका हो। सरकार को चाहिए कि वह फर्जी खबरों को तत्काल खंडित करने के लिए त्वरित प्रतिक्रिया इकाइयां बनाए और नियमित प्रेस ब्रीफिंग से सूचनाओं की पारदर्शिता सुनिश्चित करे। यदि आवश्यकता हो तो युद्धकाल में इंटरनेट मीडिया पर निगरानी बढ़ाए और दुष्प्रचार करने वाले इंटरनेट मीडिया अकाउंट्स को बंद किया जाए। आपरेशन सिंदूर के समय ऐसे कुछ अकाउंट बंद भी किए गए, जिस पर अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के कथित हनन का बेजा शोर मचाया गया।इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म्स को चाहिए कि वे डीपफेक और झूठी सामग्री को पहचानने और हटाने के लिए एआइ आधारित सिस्टम विकसित करें। इसके लिए उन्हें जवाबदेह बनाया जाना चाहिए, ताकि वे फर्जी पोस्ट, वीडियो आदि को 'फैक्ट-चेक' लेबल से चिह्नित करें और उनकी पहुंच रोकें। बोट्स और फर्जी अकाउंट्स की निगरानी और जरूरी कार्रवाई की जिम्मेदारी इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म्स पर ही डाली जानी चाहिए।मीडिया समूहों को भी अपनी रिपोर्टिंग में दोहरी जांच-सत्यापन की व्यवस्था करनी चाहिए। पत्रकारों को डिजिटल सत्यापन उपकरणों जैसे रिवर्स इमेज सर्च और ओपन-सोर्स इंटेलिजेंस में प्रशिक्षित किया जाना चाहिए। इसके अलावा मीडिया संस्थानों को जनता को जागरूक करने के लिए भी सक्रिय होना चाहिए, क्योंकि आम लोग झूठे वीडियो, पोस्ट को सच मानकर गुमराह होते हैं। नागरिकों को स्वयं भी खबरों को साझा करने से पहले सत्यापन करना चाहिए। उन्हें विश्वसनीय फैक्ट चेक प्लेटफार्म फालो करने चाहिए। स्कूल और कालेजों में सूचना साक्षरता को बढ़ावा देना चाहिए, जिससे युवा पीढ़ी गलत सूचना के प्रति सतर्क रहे। हमें एक ऐसी शैली को भी विकसित करना होगा, जहां समाचारों को तेजी से फैलाने की अपेक्षा सही समाचार को साझा करना अधिक महत्वपूर्ण हो।युद्ध के कोहरे में फर्जी सूचनाओं से भ्रम हो सकता है, लेकिन युद्ध की झूठी सूचनाएं न केवल लोगों को भ्रमित करती हैं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश की छवि को भी धूमिल करती हैं। अपनी झूठी सूचनाओं के कारण आज पाकिस्तान की दुनिया भर में खिल्ली उड़ रही है। आपरेशन सिंदूर के दौरान भारत और पाकिस्तान के बीच जब मिसाइलें चल रही थीं और ड्रोन से हमले हो रहे थे, तब तमाम झूठी खबरें भी तीव्रता से फैल रही थीं। भारत को सुनियोजित दुष्प्रचार का सामना करना पड़ा। इस दौरान कई डीपफेक वीडियो वायरल हुए, जो नितांत झूठे थे। इनमें से कई एआइ-जनित नकली वीडियो थे। इन नकली वीडियो, फोटो को सरकार के साथ आम जागरूक भारतीय नागरिक भी खारिज करने में जुटे।पाकिस्तान ने झूठी और नितांत हास्यास्पद फर्जी सूचनाओं की बौछार कर दी थी। यह सिलसिला अब भी कायम है। पाकिस्तान समर्थित हैंडल्स और यहां तक कि उनके टीवी चैनलों ने दावा किया कि भारतीय एयरबेस तबाह हो चुके हैं और एस-400 रक्षा प्रणाली नष्ट हो चुकी है। इन रिपोर्टिंग के बारे में बहुत जिम्मेदारी से काम लेना होगा, क्योंकि इससे नागरिकों को संघर्ष की गलत तस्वीर मिलने का खतरा होता है। ऐसा होने पर उनकी चिंता और घबराहट बढ़ती है। भारतीय टीवी चैनलों को भी सतर्क होना होगा, क्योंकि उनकी गलत, अतिरंजित खबरों से भारत के बारे में विश्व गलत धारणा बना सकता है।हमारे टीवी चैनलों को झूठी सूचनाओं से तो लड़ना होगा, लेकिन ऐसा कुछ करने से बचना होगा, जिससे विश्व में भ्रम फैले। आपरेशन सिंदूर आतंकी अड्डों को नष्ट करने के लिए था, न कि पड़ोसी देश पर कब्जा करने के लिए। हम नागरिक क्षति को कम करने के लिए बहुत ही सावधानी से लड़ाई लड़ रहे थे। भविष्य की लड़ाइयों में गलत सूचनाओं से लड़ने के लिए हमारी तैयारी पहले से होनी चाहिए। डा. एपीजे अब्दुल कलाम अक्सर कहते थे कि भारत की ताकत उसकी जागरूक जनता है। यदि हम सभी नागरिक सजग रहें और सत्य को प्राथमिकता दें, तो कोई भी गलत सूचना हमें विचलित नहीं कर सकती।

संविधान की सर्वोच्चता, संविधान के तीनों स्तंभ समान

सुप्रीम कोर्ट के प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई ने मुंबई में यह बिल्कुल सही कहा कि विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका तीनों बराबर हैं और यदि कोई सर्वोच्च है तो वह है संविधान। यह बात पहले भी अनेक बार कही जा चुकी है, लेकिन कार्यपालिका एवं न्यायपालिका में टकराव की स्थिति बनती रही है। इसी तरह विधायिका एवं न्यायपालिका के बीच भी असहमतियां उभरती रही हैं। असहमतियां उभरना कोई अस्वाभाविक बात नहीं। कार्यपालिका, न्यायपालिका और विधायिका के बीच किन्हीं विषयों में असहमति हो सकती है, लेकिन एक परिपक्व लोकतंत्र को इन असहमतियों का सही तरीके से समाधान करना आना चाहिए। इसके लिए यह आवश्यक है कि तीनों अपना कार्य सही तरह से करें और परस्पर सम्मान भाव भी रखें। यह अच्छा नहीं हुआ कि सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश का पदभार संभालने के बाद पहली बार अपने गृह राज्य पहुंचे बीआर गवई के सम्मान में उचित प्रोटोकाल का परिचय नहीं दिया गया। उन्होंने इसका उल्लेख भी किया। अच्छी बात यह रही कि संबंधित अधिकारियों ने अपनी भूल सुधार ली। मुख्य न्यायाधीश ने संविधान की सर्वोच्चता को लेकर जो कुछ कहा, उस पर यदि देश में नए सिरे से बहस होती है तो यह अच्छा ही होगा, क्योंकि चाहे विधायिका हो या कार्यपालिका अथवा न्यायपालिका, तीनों प्रायः अपना कार्य सही तरीके से करती हुई नहीं दिखाई देतीं। इस सच से मुंह नहीं मोड़ा जाना चाहिए कि विधायिका के कामकाज प्रश्न खड़े करने वाले हैं। कार्यपालिका की कार्यप्रणाली में अनेक विसंगतियां हैं। इसी तरह न्यायपालिका भी कई खामियों से ग्रस्त है। वह कई बार अपने अधिकारों का अतिक्रमण करती हुई दिखती है। ताजा प्रसंग तमिलनाडु के मामले में राज्यपाल और राष्ट्रपति के अधिकारों को लेकर दिए गए फैसले का है। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले ने अनेक सवाल खड़े किए। तमिलनाडु मामले में सुप्रीम कोर्ट का फैसला केवल इसलिए हैरान करने वाला नहीं था कि उसने राज्यपाल एवं राष्ट्रपति की संविधान प्रदत्त शक्तियों को सीमित करने का काम किया, बल्कि इसलिए भी है कि यह फैसला दो जजों की पीठ ने सुनाया। इसकी भी अनदेखी नहीं की जा सकती कि सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली हाई कोर्ट के जज यशवंत वर्मा के मामले में किस तरह एक ऐसा रवैया अपनाया, जैसे उच्चतर न्यायपालिका के न्यायाधीश संविधान से परे हैं। अब जब प्रधान न्यायाधीश संविधान की सर्वोच्चता की बात कर रहे हैं, तब फिर यह प्रश्न भी उठेगा कि क्या उच्चतर न्यायपालिका के जजों की नियुक्ति की कोलेजियम व्यवस्था संविधान सम्मत है। वस्तुतः ऐसे अनेक प्रश्न हैं जिनके उत्तर सुप्रीम कोर्ट से अपेक्षित हैं। बेहतर होगा कि न्यायपालिका, विधायिका एवं कार्यपालिका अपने समक्ष उपस्थित प्रश्नों पर आत्मचिंतन करें।

एडीएम प्रशासन व एडीएम राजस्व की अध्यक्षता में एनकार्ड की बैठक सम्पन्न,दिए गए आवश्यक निर्देश

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
रायबरेली। अपर जिलाधिकारी (प्रशा) सिद्धार्थ व अपर जिलाधिकारी (वि/रा) अमृता सिंह

की संयुक्त अध्यक्षता में बचत भवन स्थित कलेक्ट्रेट सभागार में जनपद में नशीले एवं मादक पदार्थों के अवैध व्यापार पर अंकुश लगाए जाने के दृष्टिगत एनकार्ड की बैठक कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने ने नशामुक्ति अभियान के अंर्तगत किये गए कार्यवाही की भी समीक्षा की। बैठक में उन्होंने ने जनपद में नारकोटिक्स पदार्थ, ड्रग्स तथा अवैध शराब की बिक्री, निर्माण ,संचय आदि के रोकथाम के लिए पुलिस विभाग, आबकारी विभाग तथा ड्रग्स विभाग के अधिकारियों को अभियान चलाकर कार्रवाई करने के निर्देश दिए। अवैध नशीले पदार्थ व दवाओं आदि की रोकथाम के लिए सभी स्टाकहोल्डर्स से समन्वय स्थापित करते हुए कार्य करने के निर्देश दिए गये। उन्होंने कहा कि सभी शिक्षण संस्थानो के आसपास यह सुनिश्चित कराया जाए कि किसी भी प्रकार के नशीले पदार्थ की बिक्री ना हो रही हो। पान गुटके की दुकानों व मेडिकल स्टोरो की भी समय-समय पर जांच की जाए। ड्रग विभाग यह सुनिश्चित कराये कि किसी भी मेडिकल स्टोर पर बिना चिकित्सक के सलाह पर किसी भी प्रकार की प्रतिबंधित दवाओं की बिक्री ना हो। मेडिकल स्टोर पर सीसीटीवी कैमरे लगवाने हेतु संबंधित को निर्देशित किया जाए। जनपद के स्कूल, कॉलेज आदि शैक्षिक संस्थानों में युवा पीढ़ी को नशे की लत नहीं लगने पाए इस हेतु हर संभव प्रयास किया जायें। इसके लिए समय- समय पर जागरूकता अभियान भी चलाया जाए। स्वास्थ्य विभाग द्वारा भी इसमें विशेष प्रयास किए जायें। विद्यालयों में नशा मुक्ति अभियान के दौरान नशीली दवा व मादक पदार्थों आदि के संबंध में जागरूक भी किया जाए। बैठक में ज्वाइंट मजिस्ट्रेट प्रफुल्ल कुमार शर्मा, जिला आबकारी अधिकारी रवींद्र प्रताप सिंह,जिला विद्यालय निरीक्षक संजीव सिंह, आबकारी निरीक्षकगण,स्वास्थ्य विभाग सहित संबंधित कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

एडीएम द्वय ने कर-करेत्तर के कार्यो की समीक्षा कर राजस्व वसूली में तेजी लाने के दिए निर्देश

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
रायबरेली। अपर जिलाधिकारी (वि/

रा) अमृता सिंह और अपर जिलाधिकारी (प्रशा) सिद्धार्थ की संयुक्त अध्यक्षता में कर करेत्तर, राजस्व वसूली व निर्धारित एजेंडा बिंदुओं के कार्यो की प्रगति की समीक्षा बैठक बचत भवन स्थित कलेक्ट्रेट सभागार में हुई। उन्होंने परिवहन, आबकारी, वाणिज्य, नगर निकाय, सिंचाई, विद्युत, वन, व्यापार कर, खनन, स्टाम्प, नगर निकाय सहित अन्य विभागों के राजस्व वसूली के कार्यों की समीक्षा की तथा कम वसूली करने वाले विभागों को प्रगति लाने के निर्देश दिए। अपर जिलाधिकारी (वि/रा) ने सभी सम्बन्धित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिये कि समयबद्ध लक्ष्य के सापेक्ष शत-प्रतिशत पूर्ति सुनिश्चित करायें। बैठक में उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे लक्ष्य के अनुरूप वसूली की प्रगति बढ़ाएं, इसमें सभी विभाग बेहतर प्रयास कर अपने निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष शत-प्रतिशत पूर्ति सुनिश्चित कराए।बैठक में अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) विशाल यादव, ज्वॉइंट मजिस्ट्रेट प्रफुल्ल कुमार शर्मा सहित समस्त उप जिलाधिकारी एवं अन्य विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

पहले से ज्यादा खर्चीली होगी कैलाश मानसरोवर यात्रा, चीन ने 20 हजार तक बढ़ाया शुल्क

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। कोविड-19 महामारी के चलते 2019 में बंद हुई कैलाश-मानसरोवर यात्रा अगले महीने से फिर होने जा रही है। यात्रा को लेकर

खास उत्साह देखने को मिल रहा है। यात्रा को लेकर तैयारियां भी जोरों पर हैं। तैयारियां अंतिम चरणों में है। पांच वर्षों के अंतराल के बाद कैलाश मानसरोवर यात्रा होने जा रही है। हालांकि इस बार यात्रा पहले से खर्चीली होगी। चीन ने 17 से 20 हजार तक शुल्क बढ़ा दिया है। दरअसल, यात्रा दो मार्गों से होती है।?पहला उत्तराखंड का लिपुलेख मार्ग है और दूसरा नाथूला के रास्ते। लिपुलेख मार्ग से यात्रा पर इस बार 1.84 लाख?रुपये खर्च होंगे, जिसमें 95 हजार चीन की फीस होगी। 2019 में 1.30 लाख रुपये खर्च होते थे। तब चीन का शुल्क 77 हजार रुपये था। सिक्किम सरकार बुनियादी ढांचे के विकास में तेजी लाई है। विधायक थिनले शेरिंग भूटिया ने कहा कि राज्य की राजधानी गंगटोक और नाथू ला के बीच दो जलवायु अनुकूलन केंद्र स्थापित किए जा रहे हैं। पहले लिपुलेख से कैलाश मानसरोवर यात्रा में 20-21 दिन लगते थे जबकि इस बार 23 दिन लगेंगे। इसका कारण यात्रियों का दिल्ली में 12 दिन गुजारना शामिल है। सिर्फ नौ दिन तिब्बत में गुजरेंगे। वहीं नाथू ला से यात्रा में 25 दिन लगेंगे। पहले 23 दिन लगते थे। इस बार यात्री 10 दिन तिब्बत तो 15 दिन भारत में बिताएंगे। कैलाश मानसरोवर यात्रा इस साल जून से शुरू हो रही है, जो कि अगस्त महीने तक जारी रहेगी। इस अवधि में लगभग 250 यात्रियों को दर्शन करने का मौका मिलेगा। यात्रियों का चयन कैलाश मानसरोवर यात्रा के लिए रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया के तहत होता है। मिनिस्ट्री ऑफ एक्सटर्नल अफेयर्स की आधिकरिक वेबसाइट एूरू://ल्स्ब्ुदन्.ग्ह पर जाकर ऑनलाइन पंजीकरण किया जाता है। हर साल आवेदन प्रक्रिया मार्च से अप्रैल माह तक चलती है। इस वर्ष पंजीकरण कराने की अंतिम तिथि 13 मई रही। पंजीकरण के लिए पासपोर्ट और फिटनेस प्रमाणपत्र अनिवार्य होते हैं।

रोमानिया चुनाव में ईयू समर्थक उम्मीदवार की जीत, रूस के

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। पहले चरण में रूस समर्थक सिमियोन की जीत ने कहीं न कहीं यूरोपीय संघ समर्थकों को चिंता में डाल दिया था। यही

वजह रही कि दूसरे चरण के मतदान में लोगों ने जमकर मतदान किया और दूसरे चरण में मतदान प्रतिशत भी 64 प्रतिशत रहा। 4 मई को हुए पहले चरण के मतदान में सिर्फ 53 प्रतिशत मतदान ही हुआ था। रोमानिया चुनाव के दूसरे दौर के मतदान में यूरोपीय यूनियन समर्थक उम्मीदवार निकुसर डैन को जीत मिली है। वहीं धुर दक्षिणपंथी नेता जॉर्ज सिमियोन को हार का सामना करना पड़ा है। पहले चरण के मतदान में जॉर्ज सिमियोन को पहला स्थान मिला था और ऐसी चर्चा शुरू हो गई थी कि रोमानिया की विदेश नीति में बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है। दरअसल जॉर्ज सिमियोन को रूस समर्थक नेता माना जाता है। रोमानिया नाटो का सदस्य है। ऐसे में सिमियोन अगर जीतते तो रोमानिया का झुकाव रूस की तरफ हो सकता था। रोमानिया में 18 मई को दूसरे चरण का मतदान हुआ। 1.1 करोड़ वोटों में से करीब 1 करोड़ वोटों की गिनती हो चुकी है और उसके मुताबिक निकुसर डैन को 54.32 प्रतिशत वोट पाकर सबसे आगे हैं। वहीं जॉर्ज सिमियोन को 45 प्रतिशत वोट मिले हैं। निकुसर डैन की जीत को रूस के लिए झटका माना जा रहा है। पहले चरण के मतदान में धुर दक्षिणपंथी नेता जॉर्ज सिमियन ने जीत हासिल की थी।

ऑपरेशन सिंदूर अभी खत्म नहीं हुआ', भारतीय मिशन ने पुर्तगाल में पाकिस्तान को दिखाया आईना

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान में भारत के 'ऑपरेशन सिंदूर' से पड़ोसी देशों और उनकी आवाम अब तक उबर नहीं पाई है। इस

बीच पुर्तगाल में भारतीय मिशन ने लिस्बन में पाकिस्तानी प्रदर्शनकारियों को करारा जवाब दिया। उन्होंने एक पोस्टर के जरिए भारत के ऑपरेशन सिंदूर की ताकत और सटीकता का संदेश दिया। इस दौरान भारतीय राजदूत प्रदीप कुमार अन्य राजनयिकों के साथ मजबूती से खड़े दिखाई दिए। उन्होंने 'ऑपरेशन सिंदूर- अभी खत्म नहीं हुआ है' लिखा एक बड़ा पोस्टर अपने पीछे दीवार पर लगाया और पाकिस्तान को आईना दिखाया। वाकया तब का है, जब पाकिस्तानी नागरिकों का एक समूह भारतीय मिशन के बाहर विरोध प्रदर्शन करने पहुंचा था। घटना रविवार की है। बताया गया कि पाकिस्तानी प्रदर्शनकारियों ने पाकिस्तानी सेना प्रमुख मुनीर की तस्वीरों के साथ जमकर बवाल मचाया। इस दौरान उन्होंने नारेबाजी की। हालांकि, भारतीय राजनयिकों ने उनके हरकतों का तुरंत जवाब दिया। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता को इस तरह से भारतीय मिशन की ओर से दिखाया जाना एक कड़ा संदेश था, जिससे पाकिस्तानी प्रदर्शनकारियों में निराशा फैल गई और वे पीछे हटने को मजबूर हो गए।

सितंबर के बाद एफआईआई का रिकॉर्ड निवेश, वैश्विक तनाव के बीच फिर आकर्षक बना भारतीय बाजार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। वैश्विक तनाव और अमेरिकी टैरिफ के बावजूद एफआईआई ने मई में 18,620 करोड़ का निवेश कर भारतीय बाजार में वापसी की है। यह सितंबर के बाद सबसे बड़ा निवेश है। शुक्रवार को एक दिन में 8,831 करोड़ के शेयर खरीदे गए, जिससे बाजार में तेजी लौटी है। अमेरिकी टैरिफ और कई देशों के बीच चल रहे तनाव के बावजूद विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) भारतीय बाजार में लौट आए हैं। इन्होंने सितंबर के बाद से अब तक का सर्वाधिक 18,620 करोड़ रुपये का निवेश मई में किया है। इससे पहले सितंबर में 57,724 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे थे। यही नहीं, 27 मार्च के बाद किसी एक दिन में शुक्रवार को रिकॉर्ड 8,831 करोड़ के शेयर खरीदे।आंकड़े बताते हैं कि एफआईआई ने जब भी भारतीय बाजार से पैसे निकाले हैं, बाजार में भारी गिरावट दिखी है और इनकी वापसी से तेजी आई?है।?पिछले साल सितंबर तक लगातार भारी

निवेश के कारण बीएसई ने रिकॉर्ड 85,978 का आंकड़ा पार किया था। उसके बाद से जो भारी निकासी एफआईआई ने की, बाजार भी 14,000 अंक तक टूट गया। उदाहरण के तौर पर अक्तूबर में एफआईआई ने 94,017 करोड़ की निकासी की थी। 26 सितंबर को रिकॉर्ड बनाने वाला सेंसेक्स एक माह में ही 6,000 अंक से ज्यादा टूट गया।विदेशी निवेशकों ने जनवरी में 78,027 करोड़ निकाले और सेंसेक्स 600 अंकों से ज्यादा गिरकर बंद हुआ। फरवरी में 34,574 करोड़ की निकासी हुई और सेंसेक्स 4,300 अंकों से ज्यादा गिर गया। अप्रैल में विदेशी निवेशकों ने भारतीय बाजार में 4,223 करोड़ रुपये का निवेश किया। इससे बीएसई सेंसेक्स 2,600 अंकों से ज्यादा की बढ़त के साथ बंद हुआ। मई में अब तक इन निवेशकों ने 18,620 करोड़ रुपये का निवेश किया और सेंसेक्स 2,000 से ज्यादा बढ़कर बंद हुआ। दुनियाभर के बाजारों में अभी भी हालात बहुत अच्छे नहीं हैं। पर इस साल जनवरी से लेकर अब तक सेंसेक्स ने 4,000 अंकों से ज्यादा बढ़त हासिल की।

रायबरेली विकास प्राधिकरण, रायबरेली

सार्वजनिक नोटिस

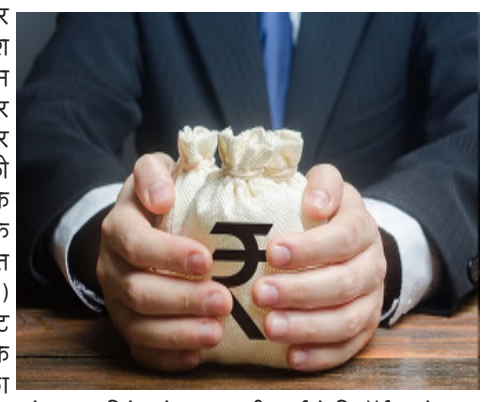

जनसाधारण को यह सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित आवेदक ने नीचे सारणी के स्तम्भ-3 में उल्लिखित सम्पत्ति, जो प्राधिकरण की एकता विहार योजना के अन्तर्गत स्थित है, का अंतरण/नामांतरण अपने नाम कराने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है:-

क्रम संख्या	मूल आवंटी का नाम	भूखण्ड/भवन/फ्लैट संख्या	योजना का नाम	आवेदक का नाम (पिता/पति का नाम सहित)	आवेदक का पता एवं दूरभाष संख्या	अन्तरण नामान्तरण का आधार	पट्टाधृत/पूर्ण स्वामित्व युक्त सम्पत्ति
1	2	3	4	5	6	7	8
1	श्री अविनाश कुशवाहा पुत्र श्री कालीदीन ग्राम बरवलिया पो0 टिकवामऊ लालगंज, रायबरेली	भवन संख्या ई–10/एफ.2	एकता विहार योजना	श्रीमती माया देवी पत्नी स्व0 अविनाश कुशवाहा	निवासी ग्राम बरवलिया टीकवामाऊ लालगंज, रायबरेली	मृत्यू उपरान्त नामान्तरण	पूर्ण स्वामित्व युक्त सम्पत्ति

यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त भवन/भूखण्ड के अन्तरण/नामांन्तरण के विरुद्ध कोई आपत्ति हो, तो वह अपनी आपत्तियां सहायक दस्तावेजों सहित इस नोटिस के प्रकाषित किये जाने के दिनांक से 30 दिन के भीतर सचिव, रायबरेली विकास प्राधिकरण रायबरेली को प्रस्तुत कर सकता/सकती है अन्यथा स्तम्भ-5 मे अंकित व्यक्ति के नाम से सम्पत्ति का अंतरण/नामान्तरण प्राधिकरण के अभिलेखों में दर्ज कर दिया जायेगा और कोई पश्चातवर्ती दावा, यदि कोई हो, ग्रहण नहीं किया जायेगा।

सचिव रायबरेली विकास प्राधिकरण
रायबरेली।

आध्यात्मिक शिविर का भव्य आयोजन का हुया शुभारंभ

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। ओबरा सेक्टर नम्बर 10 बाल विद्या निकेतन में 3 दिवसीय भारत सरकार के फिट इंडिया मुहिम के अंतर्गत योग एवं आध्यात्मिक शिविर का हुया भव्य आयोजन का शुभारंभ कार्यक्रम में मुख्य रूप से नगर पंचायत अधिकारी मधुसूदन जयसवाल ,मंच के संरक्षक अशोक यादव एवं प्रशांत सिंह जी दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत किया । धन्वंतरी पतंजलि योग संस्थान एवं सोनांचल सेवा मंच के संयुक्त तत्वावधान में योग और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाकर 'स्वास्थ्य क्रांति' लाने का संकल्प लिया है। धनवंतरी पतंजलि योग संस्थान के संस्थापक योग गुरु आचार्य अजय कुमार पाठक जी ने बताया की योग और आयुर्वेद चिकित्सा से विभिन्न रोगों जैसे शुगर, कमर दर्द, साइटिका, सिर दर्द, मोटापा, खून की कमी, अर्थराइटिस, और ब्लड प्रेशर जैसी गंभीर बीमारियों को खत्म किया जा सकता है ।

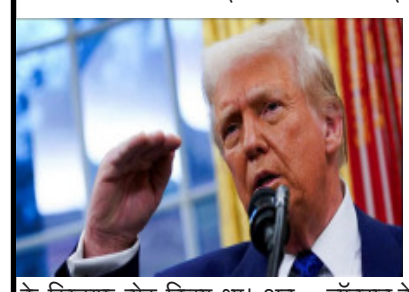

अमेरिका में कर कटौती और सीमा सुरक्षा पैकेज को पटरी पर लाने की कवायद

अमेरिका। अमेरिका में कर कटौती और सीमा सुरक्षा पैकेज को पटरी पर लाने के लिए रविवार को रिपब्लिकन एक बैठक करेंगे। सदन की बजट समिति में कुछ रिपब्लिकन नेताओं ने डेमोक्रेटिक सांसदों के साथ मिलकर इस बिल

के खिलाफ वोट किया था। अब हाउस स्पीकर माइक जॉनसन इसे जल्द से जल्द सुधारना चाहते हैं। रिपब्लिकन पार्टी रविवार (स्थानीय समयानुसार) रात को एक बैठक करेगी। इस बैठक में कर कटौती और सीमा सुरक्षा पैकेज को वापस पटरी पर लाने की कोशिश की जाएगी। यह बैठक इसलिए भी खास है क्योंकि इसी पैनल ने कर कटौती और बॉर्डर सुरक्षा पैकेज को आगे बढ़ाने के खिलाफ मतदान किया था। हाउस स्पीकर माइक जॉनसन अब इसे जल्द से जल्द सुधारना चाहते हैं। सदन की बजट समिति में कुछ रिपब्लिकन नेताओं ने डेमोक्रेटिक सांसदों के साथ मिलकर इस बिल के खिलाफ मतदान किया। बिल के खिलाफ मतदान करने वालों में कुल पांच रिपब्लिकन शामिल रहे। एक ने नियमों के चलते और बाकी चार ने चिंता जताई कि यह बिल अमेरिका के बजट घाटे को और बढ़ा देगा। हालांकि, स्पीकर जॉनसन ने उम्मीद जताई है कि यह बिल समिति से आगे बढ़ेगा और सप्ताह के अंत तक सदन में पेश किया जाएगा। उन्होंने एक टीवी शो में कहा कि यह बिल उस जनादेश को पूरा करेगा, जो अमेरिकी लोगों ने पिछले चुनाव में दिया था। हालांकि, इस बिल की आलोचना करने वाले रिपब्लिकन ने कहा है कि इसमें खर्च और कर छूट की शुरुआत जल्दी हो रही है।

इंस्टिट्यूट ऑफ़ लॉ एंड सोशल साइंस छतनाग झूसी प्रयागराज के लीगल एड सर्विसेज क्लिनिक द्वारा विधि छात्र एवं छात्राओं के लिए ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप कार्यक्रम का शुरूआत किया गया

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
प्रयागराज। प्रोफेसर राजेंद्र सिंह रज्जू भैया विश्वविद्यालय के आदेशानुसार इंस्टिट्यूट ऑफ़ लॉ एंड सोशल साइंस के लीगल एड कार्यालय के द्वारा ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप का प्रारंभ किया गया केंद्रीय प्रशासनिक अधिकरण मै छात्र एवं छात्राओं का इंटर्नशिप दिनांक 19 मई से प्रारंभ होकर 31 मई तक चलेगा । इस इंटर्नशिप के दरमियान छात्र एवं छात्राओं को केंद्र प्रशासनिक अधिकरण के विभिन्न पहलुओं के बारे में जानकारियां उपलब्ध कराई जाएगी केंद्र सरकार के जो भी मामले होते हैं, नियुक्ति से संबंधित पेंशन से संबंधित प्रमोशन से संबंधित इन सभी मामलों के वाद के बारे में जानकारियां उपलब्ध कराई जाएगी यह इंटर्नशिप विशेष रूप से उन विधि छात्रों के लिए लाभकारी है जो न्यायिक व्यवस्था को नजदीकी से समझाना चाहते हैं एवं भविष्य में सामाजिक सेवा के क्षेत्र में कार्य करने के लिए रुचि रखते हैं, प्रतिभागियों को प्रयागराज अधिकरण से संबंधित संपूर्ण जानकारियां उपलब्ध कराई जाएँगी ।

बॉलीवुड/टेली मसाला

केएल राहुल के शतक पर पत्नी अथिया ने लुटाया प्यार, सुनील शेट्टी ने दामाद को बताया 'तूफान'

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। अथिया शेट्टी अपने पति क्रिकेटर केएल राहुल की सबसे बड़ी चीयर लीडर हैं। अब राहुल के आईपीएल में ऐतिहासिक शतक पर अथिया और सुनील शेट्टी ने राहुल पर प्यार लुटाया है अभिनेता सुनील शेट्टी अपने दामाद क्रिकेटर केएल राहुल की प्रशंसा करने और उनको चीयर करने का कोई मौका नहीं छोड़ते। अब एक बार फिर केएल राहुल के आईपीएल में ऐतिहासिक शतक जड़ने पर सुनील शेट्टी और केएल राहुल की पत्नी व अभिनेत्री अथिया शेट्टी ने राहुल की तारीफ की है और उनको चीयर किया है रविवार को गुजरात टाइटंस के खिलाफ खेले गए मुकाबले में केएल राहुल ने शानदार शतक जड़ा। ये शतक जड़ते ही राहुल आईपीएल के इतिहास में तीन अलग-अलग फ्रेंचाइजी के लिए शतक बनाने वाले पहले खिलाड़ी बन गए। राहुल की इस उपलब्धि पर ससुर सुनील शेट्टी और पत्नी अथिया शेट्टी ने राहुल को बधाई दी। अथिया शेट्टी ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर दिल्ली कैपिटल्स द्वारा राहुल की तारीफ करते हुए एक पोस्ट को फिर से शेयर किया। साथ ही कैप्शन में लिखा, बीस्ट के बल्ले से पांचवां आईपीएल शतक। इसे फिर से पोस्ट करते हुए अथिया ने बस एक लाल दिल वाला इमोजी जोड़ा।वहीं अभिनेता सुनील शेट्टी ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर राहुल की एक फोटो पोस्ट की और लिखा,एक तूफान। साथ में नीला दिल वाला इमोजी केएल राहुल ने रविवार को अरुण जेटली स्टेडियम में गुजरात टाइटन्स के खिलाफ शतकीय पारी खेलकर यह रिकॉर्ड बनाया। यह केएल राहुल का पांचवां आईपीएल शतक है। इससे पहले उन्होंने पंजाब किंग्स और लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए खेलते हुए भी दो-दो शतक लगाए हैं। उन्होंने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और सनराइजर्स हैदराबाद के लिए कोई शतक नहीं लगाया है।

सरदार का ग्रैंडसन' के चार साल पूरे होने पर अभिनेता ने शेयर किया वीडियो क्लिप, लिखा भावुक नोट

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेता अर्जुन कपूर ने बीते दिन रविवार को अपनी फिल्म 'सरदार का ग्रैंडसन' की रिलीज के चार साल पूरे कर लिए। इस मौके पर एक्टर ने एक भावुक पोस्ट शेयर किया।18 मई 2021 में अर्जुन कपूर अभिनीत फिल्म 'सरदार का ग्रैंडसन' रिलीज हुई, जिसने रविवार को अपनी रिलीज के चार साल पूरे कर लिए। इस मौके पर अभिनेता अर्जुन कपूर ने एक वीडियो क्लिप शेयर करते हुए भावुक नोट लिखा है। साथ ही हाल ही में दिवंगत हुई अपनी दादी को याद किया है। आइए जानते हैं उन्होंने क्या लिखा। अभिनेता अर्जुन कपूर ने अपनी फिल्म 'सरदार का ग्रैंडसन' की रिलीज के चार साल पूरा होने पर, बीते दिन रविवार को फिल्म का एक क्लिप अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर साझा किया। इस वीडियो में एक्ट्रेस नीना गुप्ता अभिनेता की दादी के रूप में दिख रही हैं, जो उन्हें समझाती बुझाती नजर आ रही हैं। इस क्लिप को शेयर करते हुए अर्जुन कपूर ने अपनी दिवंगत दादी निर्मल कपूर को याद करते हुए भावुक नोट लिखा है।फिल्म का क्लिप साझा करते हुए अर्जुन कपूर ने स्टोरी में एक नोट लिखा। उन्होंने कहा, 'अपने दादा-दादी के लिए मैंने अपने दिल का यह छोटा सा टुकड़ा चार साल पहले बनाया था। इस फिल्म को याद करके बहुत अच्छा लगता है, क्योंकि मैंने दो सप्ताह पहले ही अपने आखिरी ग्रैंडपैरेंट को खोया है। मुझे उम्मीद है कि मेरे चारों ग्रैंडपैरेंट्स जहां भी होंगे खुश और मुस्कुराते हुए होंगे। रब रक्खा।' आपको बताते चलें कि इसी महीने 2 मई को 90 साल की उम्र में अभिनेता की दादी निर्मल कपूर का निधन मुंबई में हो गया था। अभिनेता अर्जुन कपूर के वर्कफ्रंट की बात करें तो उन्हें आखिरी बार मुदस्सर अजीज के निर्देशन में बनी फिल्म 'मेरे हसबैंड की बीवी' में देखा गया था। इस फिल्म में अर्जुन कपूर के अलावा भूमि पेडनेकर, रकुल प्रीत सिंह और हर्ष गुजराल भी मुख्य भूमिका में थे।

टीवी एक्ट्रेस शिवांगी जोशी ने परिवार संग मनाया जन्मदिन, रूमर्ड बॉयफ्रेंड ने किया बर्थ डे विश

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। टीवी की मशहूर एक्ट्रेस शिवांगी जोशी ने 18 मई को अपना जन्मदिन मनाया है। एक्ट्रेस ने बर्थ डे सेलिब्रेशन की कई तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा कीं। कुछ को-एक्टर्स ने शिवांगी को जन्मदिन की बधाई दी हैं। इन्हीं लोगों के बीच शिवांगी के रूमर्ड बॉयफ्रेंड ने भी उन्हें बर्थ डे विश किया है। शिवांगी जोशी को दर्शक सीरियल 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' के जरिए पहचानते हैं। वह इस सीरियल से घर-घर मशहूर हुईं। इन दिनों शिवांगी एक नए सीरियल की शूटिंग कर रही हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपना जन्मदिन परिवार के साथ मनाया और सेलिब्रेशन की कई तस्वीरें इंस्टाग्राम पर साझा की हैं। शिवांगी ने अपने जन्मदिन की जो तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा की हैं, उनमें वह आसमानी रंग की ड्रेस पहने नजर आ रही हैं, साथ ही एक प्रिंसेस वाला टियारा यानी क्राउन भी उनके हाथ में नजर आ रहा है। एक तस्वीरें में वह अपने परिवार के साथ जन्मदिन का केक काट रही हैं। शिवांगी की इन तस्वीरों को फैंस ने भी काफी लाइक किया है।कुशल टंडन ने भी शिवांगी जोशी को बर्थ डे विश किया है, एक इंस्टाग्राम स्टोरी एक्ट्रेस के जन्मदिन पर लगाई है। इस पोस्ट में शिवांगी की तस्वीर लगी है और उस पर लिखा है, 'हैप्पी बर्थ डे, डियर। एक डायमंड की तरह हमेशा चमकती रहो।' कुशल और शिवांगी को लेकर चर्चा है कि दोनों डेट कर रहे हैं। कई बार दोनों को साथ पार्टी करते देखा गया है। जल्द ही सीरियल 'बड़े अच्छे लगते हैं' के नए सीजन में एक्ट्रेस शिवांगी जोशी नजर आएंगी। सीरियल 'बड़े अच्छे लगते हैं' के नए सीजन में शिवांगी जोशी के साथ हर्षद चोपड़ा नजर आएंगे। इस सीरियल को एकता कपूर प्रोड्यूस कर रही हैं।

गिरीश कर्नाड ने कवि बनने का देखा था सपना, 'ययाति' लिखने के विचार ने बदली जिंदगी, यूं बने एक्टर

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। गिरीश कर्नाड का जन्म 19 मई 1938 को महाराष्ट्र के माथेरान में हुआ। कर्नाड ने करीब चार दशकों तक प्ले लिखे। उन्होंने इतिहास और पौराणिक कथाओं का इस्तेमाल करते हुए समकालीन मुद्दों पर नाटकों की रचना की।गिरीश कर्नाड की आज 19 मई को बर्थ एनिवर्सरी है। उन्होंने साहित्य से लेकर, नाटक और निर्देशन तक कई क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा को साबित किया। वह बड़े साहित्यकार, नाटककार, अभिनेता, फिल्म निर्देशक और प्ले राइटर थे। वह उन कुछ चुनिंदा लोगों में से थे, जिन्होंने साहित्य के साथ अभिनय और निर्देशन की दुनिया में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। गिरीश कर्नाड का जन्म 19 मई 1938 को महाराष्ट्र के माथेरान में हुआ था। वहां से निकलकर उन्होंने जितना नाम कमाया, वह कुछ ही लोगों को नसीब होता है। जानते हैं उनके बारे में कर्नाड ने करीब चार दशकों तक प्ले लिखे। उन्होंने इतिहास औ पौराणिक कथाओं का इस्तेमाल करते हुए समकालीन मुद्दों पर नाटकों की रचना की। उन्होंने अपने प्ले का अंग्रेजी अनुवाद किया। उनके नाटकों का अनुवाद कई भारतीय भाषाओं में भी हुआ। उनके नाटक इब्राहिम अलकाजी, बी वी कारंत, एलिक पदमसी, अरविंद गौर, सत्यदेव दुबे, विजया मेहता, श्यामानंद जालान और अमल अल्लाना जैसे निर्देशकों द्वारा निर्देशित किए गए। दिलचस्प बात यह है कि उनका नाटक लिखने का इरादा ही नहीं था।गिरीश कर्नाड की शुरुआती पढ़ाई मराठी में हुई। उन्होंने कर्नाटक आर्ट्स कॉलेज से स्नातक किया। वे कहते थे, 'मैं कवि बनना चाहता था, लेकिन मेरी थिएटर में भी रुचि थी, मेरा नाटक लेखक बनने का कोई इरादा नहीं था। स्कॉलरशिप मिलने के बाद में लंदन पहुंचा। उस समय एक धारणा थी कि यदि मैं विदेश जाऊंगा, तो मैं विदेश की किसी गोरी मेम से शादी कर लूंगा। तभी एक दिन मेरे मन में 'ययाति' लिखने का विचार आया। इसके बाद जिंदगी में कई मोड़ आए'। उनके लिखे नाटकों में 'ययाति', 'तुगलक', 'हयवदन', 'अंजु मल्लिगे', 'अग्निमतु माले', 'नागमंडल' और 'अग्नि और बरखा' काफी प्रसिद्ध रहे हैं।गिरीश कर्नाड ने कन्नड़, तमिल, तेलुगु, मलयालम के अलावा हिंदी और मराठी सिनेमा में भी अभिनय किया। गिरीश कर्नाड ने हिंदी फिल्मों में भी अपना हाथ अजमाया और इसमें भी सफलता पाई। 48 साल के अपने फिल्मी करियर में गिरीश कर्नाड ने 90 से ज्यादा फिल्मों में काम किया। हिंदी में उन्होंने 'निशांत', 'मंथन' और 'पुकार' जैसी फिल्में कीं।

मध्यम वर्ग' के इंसान हैं वह, अनुभव सिंहा ने शाहरुख के बारे में क्यों कही ऐसी बात

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। निर्देशक अनुभव सिंहा ने शाहरुख खान के बारे में कई बातें कही हैं। इसके साथ ही उन्हें 'मध्यम वर्ग' का इंसान कहा है। शाहरुख खान बॉलीवुड के सबसे बड़े अभिनेताओं में से एक हैं। रोमांस के बादशाह दशकों से इंडस्ट्री पर राज कर रहे हैं। हर कोई उनकी दौलत के बारे में जानता है। हालांकि उनके करीबी लोगों को पता है कि वह दिल से मध्यम वर्गीय हैं। हाल ही में, 'रा वन' के निर्देशक अनुभव सिन्हा ने बताया कि शाहरुख खान अपने परिवार को खुश देखकर खुश होते हैं। यह उनकी अब तक की सबसे मध्यम वर्गीय बात है।शाहरुख खान भले ही दुनिया पर राज कर रहे हों लेकिन वह ऐसे व्यक्ति भी हैं जो अपने बच्चों के लिए खाना बनाना, उनके हाई-स्कूल ड्रामा सुनना और जब भी संभव हो अपने परिवार के साथ क्वालिटी टाइम बिताना पसंद करते हैं। फेय डिसूजा के साथ बातचीत करते हुए निर्देशक अनुभव सिन्हा ने कहा कि शाहरुख दिल से एक मध्यम वर्गीय हैं।अनुभव सिन्हा ने कहा 'क्या आपकी बहन की खुशी आपको खुश करती है?' उन्होंने आगे कहा कि 'मध्यम वर्ग' का यह सितारा अपनी बहन शहनाज और अपने बच्चों को मुस्कुराते हुए देखकर खुश होता है।'अनुभव सिन्हा ने कहा कि उन्होंने शाहरुख को जब यह बताया कि वह मध्य वर्गीय हैं तो उन्होंने अजीबोगरीब हंसी के साथ इस पर सहमति जताई।

दर्शकों को पसंद आया टॉम क्रूज का एक्शन, जानें एमआई8 और बाकी फिल्मों का कैसा बीता संडे

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। सिनेमाघरों में इन दिनों दो हॉलीवुड फिल्मों के बीच टक्कर देखने को मिल रही है। वहीं दूसरी ओर अजय देवगन की 'रेड 2' अभी भी अपनी रफ्तार बनाए हुए है। जानें संडे का दिन इन फिल्मों के लिए कैसा बीता।बॉक्स ऑफिस इन दिनों टॉम क्रूज का जलवा देखने को मिल रहा है। मिशन इम्पॉसिबल सीरीज की आठवीं फिल्म 'मिशन इंपॉसिबल - द फाइनल रेकनिंग' सिनेमाघरों में दर्शकों द्वारा पसंद की जा रही है। कमाई के मामले में ये फिल्म नए-नए कीर्तिमान बना रही है। वहीं दूसरी ओर हॉलीवुड की एक और फिल्म 'फाइनल डेस्टिनेशन ब्लडलाइन्स' भी बॉक्स ऑफिस पर अपनी रफ्तार बनाए हुए है। जबकि इन दोनों के बीच अजय देवगन की 'रेड 2' भी धीमे-धीमे आगे बढ़ रही है। जानते हैं रविवार को इन फिल्मों का क्या रहा हाल टॉम क्रूज की 'मिशन इम्पॉसिबल' सीरीज की भारत में काफी लोकप्रियता है। यही कारण है कि जब सीरीज की अंतिम फिल्म 'मिशन इंपॉसिबल - द फाइनल रेकनिंग' भारत में रिलीज हुई, तो दर्शक फिल्म को देखने के टूट पड़े। फिल्म लगातार अच्छी कमाई कर रही है। अब 'मिशन इंपॉसिबल - द फाइनल रेकनिंग' ने संडे को छुट्टी के दिन शानदार कमाई करते हुए 17.69 करोड़ का कारोबार किया। इससे पहले शनिवार को अपने पहले दिन फिल्म ने 17.50 करोड़ की कमाई की थी। जिसके साथ ही दो दिनों में ही फिल्म की कुल कमाई 35.19 करोड़ रुपए पहुंच गई 'मिशन इंपॉसिबल - द फाइनल रेकनिंग' को लेकर भारत में रिलीज से पहले ही काफी उत्साह था। इसीलिए फिल्म को अमेरिका से भी पहले भारत में रिलीज किया गया। टॉम क्रूज और मिशन इम्पॉसिबल सीरीज की लोकप्रियता का ही नतीजा है कि इस फिल्म ने पहले ही दिन 'ओपनहाइमर' जैसी ऐतिहासिक फिल्म का रिकॉर्ड तोड़ दिया था। साथ ही भारत में पहले दिन सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों की टॉप 10 लिस्ट में इसने जगह बना ली है। एआई के बढ़ते प्रकोप की कहानी दिखाती फिल्म को काफी पसंद किया जा रहा है। टॉम क्रूज की मिशन इम्पॉसिबल के अलावा एक और हॉलीवुड फिल्म 'फाइनल डेस्टिनेशन ब्लड लाइन्स' भी इस समय बॉक्स ऑफिस पर अपनी पकड़ बनाए हुए है। 15 मई को रिलीज हुई इस फिल्म ने अपने चौथे दिन यानी रविवार को 6.25 करोड़ की कमाई की। इसके साथ चार दिनों में फिल्म की कुल कमाई अब 22.10 करोड़ पहुंच गई है। दो हॉलीवुड फिल्मों के बीच अजय देवगन की 'रेड 2' धीरे-धीरे 150 करोड़ के करीब पहुंच रही है। अब फिल्म 150 करोड़ के आंकड़े की दहलीज पर खड़ी है। अपनी रिलीज के 18वें दिन भी फिल्म ने शानदार आंकड़े हासिल किए हैं। रविवार को रेड 2 ने 5.50 करोड़ की कमाई की। इसके साथ ही फिल्म की कुल कमाई अब 149 करोड़ पहुंच गई है। ऐसे में उम्मीद है कि फिल्म जल्द ही 150 करोड़ के आंकड़े पार कर जाएगी।

मजबूरी में कास्ट हुए सैफ, टाइटल के लिए करना पड़ा संघर्ष

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। प्रीति जिंटा और सैफ अली खान अभिनीत फिल्म 'क्या कहना' ने आज सोमवार के दिन अपनी रिलीज के 25 साल पूरे कर लिए हैं। इस मौके पर हम जानेंगे फिल्म से जुड़े 10 दिलचस्प किस्सों के बारे में।2000 के दशक में बॉलीवुड में लव स्टोरी और एक्शन फिल्मों का बोलबाला था, उसी दौरान कुंदन शाह के निर्देशन में 19 मई, 2000 को एक फिल्म आई 'क्या कहना'। इस फिल्म ने ना सिर्फ सामाजिक सोच को झकझोरा, बल्कि संवेदनशील विषयों पर आधारित फिल्मों को दिखाने का साहस भी दिखाया। प्रीति जिंटा, सैफ अली खान और चंद्रचूड़ सिंह अभिनीत इस फिल्म ने दर्शकों के दिलों पर गहरी छाप छोड़ी थी। फिल्म के विषय को देखते हुए निर्माताओं तक ने इसे नकार दिया था, लेकिन यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर हिट रही थी। इस फिल्म का संगीत लोगों के दिलों-दिमाग में इस कदर छाया था कि वो हमेशा इसे गुनगुनाते रहते थे। आज सोमवार के दिन 'क्या कहना' फिल्म ने अपनी रिलीज के 25 साल पूरे कर लिए हैं। फिल्म के सिल्वर जुबिली के मौके पर जानेंगे इससे जुड़े 10 किस्सों के बारे में। आइए जानते हैं। फिल्म 'क्या कहना' की शूटिंग साल 1997 में शुरू हुई थी और इसे 1 जुलाई 1998 को रिलीज किया जाना था। अगर उस समय पर फिल्म रिलीज होती, तो यह प्रीति जिंटा की पहली फिल्म होती। लेकिन किन्हीं कारणों की वजह से फिल्म की रिलीज टल गई, फिर इसे 19 मई 2000 में रिलीज किया गया। इस बीच प्रीति ने कई और फिल्में कीं जैसे- 'दिल से', 'सोल्जर' और दो तेलुगु फिल्में भी कीं। इस वजह से अभिनेत्री को दर्शकों ने 'क्या कहना' फिल्म से पहले ही पहचान लिया था, लेकिन इस फिल्म ने एक्ट्रेस को अभिनय की दुनिया में एक अलग पायदान पर लाकर खड़ा कर दिया था। फिल्म के दौरान निर्माता रमेश तौरानी अभिनेता चंद्रचूड़ सिंह को हटाकर सलमान खान को लेना चाहते थे। इसके लिए चंद्रचूड़ को कानूनी दस्तावेज पर साइन करना जरूरी था, जिस पर लिखा था कि अभिनेता को निकाले जाने से निर्माता को कोई दिक्कत नहीं है। हालांकि, चंद्रचूड़ ने साइन करने से मना कर दिया, जिस कारण फिल्म की शूटिंग छह महीने तक रुकी रही और प्रोजेक्ट में देरी हुई। कहा जाता है कि फिल्म निर्माता रमेश तौरानी को सैफ अली खान और चंद्रचूड़ सिंह की बॉक्स ऑफिस पर पहचान का कोई भरोसा नहीं था। इसलिए उन्होंने फिल्म की पब्लिसिटी में सिर्फ प्रीति जिंटा को मुख्य केन्द्र में रखा। वहीं, सैफ अली खान और चंद्रचूड़ सिंह की तस्वीर सीडी एल्बम के पीछे लगाई गई। इस फिल्म के बारे में निर्माता रमेश तौरानी ने बताया कि फिल्म में सैफ अली खान की भूमिका की जगह पहले किसी और अभिनेता को कास्ट किया गया था। फिर शूटिंग शुरू होने से एक हफ्ते पहले ही उस अभिनेता ने बिना कोई जानकारी दिए फिल्म छोड़ दी। इसके बाद मजबूरी में सैफ को फिल्म में लिया गया और भूमिका उन्हें दी गई। फिल्म में मजरूह सुल्तानपुरी के लिखे गानों और राजेश रोशन के संगीत का असर ये रहा कि इसका म्यूजिक उस साल यानी साल 2000 में बिके फिल्म म्यूजिक के टॉप 10 में शामिल रहा। इस फिल्म के कुछ गाने 'ऐ दिल लाया है बहार', 'ओ सोनिए दिल जानिए', जैसे संगीत लोगों के मन-मस्तिष्क में छा गए थे। 'क्या कहना' फिल्म के टाइटल के लिए भी बहुत संघर्ष करना पड़ा था। निर्माताओं ने पहले फिल्म का टाइटल मुख्य किरदार के नाम पर ही रखने का सोचा था प्रीति। हालांकि, बाद में निर्माण के दौरान एक समय फिल्म का नाम 'क्या यही प्यार है' था। अंततः फिल्म का नाम 'क्या कहना' रखा गया, जो कहानी को सूट करता है। सैफ अली खान 'क्या कहना' फिल्म में ग्रे शेड रोल में नजर आए थे। यह उनकी पहली फिल्म थी, जिसमें वह निगेटिव रोल में नजर आए थे। वहीं, आपको बताते चलें कि सैफ अली खान और चंद्रचूड़ सिंह की साथ में यह एकमात्र फिल्म है। फिल्म में अनुपम खेर के किरदार को खूब सराहना मिली थी। साथ ही आपको बताते चलें कि फिल्म में पहले अनुपम खेर की जगह दिवगंत अभिनेता अमरीश पुरी को अभिनय करना था, लेकिन बाद में अनुपम का ही नाम फाइनल किया गया। 'क्या कहना' की कहानी के प्लॉट ने दर्शकों का दिल जीत लिया था। इस फिल्म में प्रिया (प्रीति जिंटा) से अजय (चंद्रचूड़ सिंह) प्यार करता है। लेकिन कॉलेज में प्रिया को राहुल (सैफ अली खान) अच्छा लगता है, जिस कारण दोनों में दोस्ती होती है, प्रेम होता है और एक दिन प्रिया को पता चलता है कि वह गर्भवती है। प्रिया के माता पिता पहले तो राहुल के घर जाकर दोनों की शादी की बात करते हैं पर बेइज्जत होने पर वह प्रिया को ही घर से निकाल देते हैं। प्रिया तमाम दिक्कतों के बाद भी गर्भपात को राजी नहीं होती है और अपने बच्चे को जन्म देना चाहती है। प्रिया का मां बनने का ये संघर्ष ही फिल्म को महिला दर्शकों की सहानुभूति दिलाने में सफल रहा। हनी ईरानी को 'क्या कहना' की कहानी लिखने के लिए फिल्मफेयर बेस्ट स्टोरी अवार्ड भी मिला। वहीं, चंद्रचूड़ को फिल्म में सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता के लिए फिल्मफेयर पुरस्कार के लिए नामांकन मिला।

एक कमी की वजह से सलमान खान ने अपनी फिल्म से इस एक्ट्रेस को किया था बाहर, हिट हुई थी फिल्म

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। सलमान खान लोगों को फिल्मों में काम दिलाने के लिए जाने जाते हैं लेकिन उन्होंने अपनी फिल्म से एक एक्ट्रेस को बाहर कर दिया था। आइए जानते हैं पूरा मामला। हैसलमान खान ने बिग बॉस के दौरान खुद ये किस्सा बताया था। बात साल 2016 में आई सलमान खान की फिल्म 'सुल्तान' की है। इस फिल्म में सलमान खान के साथ अनुष्का शर्मा हैं। उन्होंने फिल्म में पहलवानी भी की है। लेकिन ये फिल्म पहले अनुष्का शर्मा के बजाए मृणाल ठाकुर के पास आई थी। इस फिल्म में उन्हें कास्ट किया जाना था।सुल्तान फिल्म में मृणाल ठाकुर के नाम पर बातचीत चल रही थी। एक्ट्रेस फिल्म में काम करने के लिए बातचीत करने सलमान खान के फॉर्म हाउस पर भी गई थीं। सलमान खान अपनी फिल्म में एक ऐसी एक्ट्रेस को चाह रहे थे जो पहलवान जैसी दिखती हो। मृणाल ठाकुर उस वक्त ऐसी नहीं दिख रही थीं। इसलिए सलमान खान ने उन्हें फिल्म में नहीं लिया। मृणाल ठाकुर और शाहिद कपूर अपनी फिल्म का प्रमोशन करने बिग बॉस के मंच पर गए थे तभी सलमान ने ये किस्सा बताया। आपको बता दें 2016 में रिलीज हुई फिल्म 'सुल्तान' का निर्देशन अली अब्बास जफर ने किया था। फिल्म में सलमान खान और अनुष्का शर्मा के अलावा रणदीप हुड्डा और अमित साध थे। 90 करोड़ की लागत में बनी इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 623 करोड़ रुपयों की कमाई की थी।

स्वात्वाधिसकसार एवं मुद्रक डा0 दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। (उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सस्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0नं0-09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com
नोट- इस समाचार पत्र मे प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हंतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।